

# Diwali Celebrations

Date : 10th November 2007

Place : Noida

Type : Puja

Speech : Hindi  
Language

## CONTENTS

### I Transcript

Hindi	02 - 11
English	-
Marathi	-

### II Translation

English	12 - 19
Hindi	-
Marathi	20 - 28

# ORIGINAL TRANSCRIPT

## HINDI TALK

हॅप्पी दिवाली !

आप सबको दिवाली मुबारक हो ।

ये तरह तरह के नृत्य को आपने देखा ; इससे एक बात समझलो, कि ये जो भी थे जिन्होंने ये लिखा, कहा, सब एक ही बात कह रहे हैं और सबसे बड़ी बात कौनसी कही कि परमात्मा एक है । उन्होंने अलग अलग अवतार लिए पर परमात्मा एक है ।

उनमें आपस में कोई झगड़ा नहीं और वो इस संसार में इसलिए आते हैं कि, दुष्टों का नाश करें । खराब लोगों को बर्बाद करें । और हो रहा है हर जगह । हर जगह मैं देखती हूँ, कि जो दुष्ट लोग हैं, वो सामने आ रहे हैं । और अब आप लोगों का भी यही काम है, कि जो दुष्ट हैं, जो परमात्मा के विरोध में काम करते हैं और पैसा कमाने के लिए कोई भी काम कर सकते हैं, वो सब नर्क में जाएंगे । हमको पता नहीं कितने नर्क हैं । अभी जिस माहौल में आप बैठे हैं, जिस जगह आप बैठे हैं, ये नर्क से परे है । इसका संबंध नर्क से कोई नहीं है । लेकिन आप इसमें रहकर और अधर्म करें, गलत काम करें तो आप भी नर्क में जा सकते हैं । बहुत तरह के नर्क हैं और ये नर्क में जाने की व्यवस्था भी बड़ी अच्छी है । क्योंकि वहाँ पर जानेवाले जानते नहीं कि हम कहाँ जा रहे हैं । और जो बच जाते हैं वो स्वर्ग चले जाते हैं । तो इस पृथ्वी तल पे कोई जानता ही नहीं कि हमें नर्क में जाना है । गलत काम करने से हम नर्क में जाएंगे और दिवाली का मतलब यही है, कि जैसे बाहर दिये लगे वैसे आप लोगो में भी दिये लग जाएं । और आप भी देखो इस अंधेरी दुनिया में तुम लोग दिये हो, दीपक हो और तुम्हें प्रकाश देना है । लेकिन अगर अंदर का ही प्रकाश पूरा नहीं हुआ तो आप कैसे प्रकाश दे सकते हैं ? ये भी सोचो । तो पहले आप सहजयोगियों को चाहिए, कि पहले अंदर के प्रकाश को पूरा करें और इसी से शायद हम इस दुनिया में आए हैं । ईसामसीह तक तो इस मामले में कोई बात ही नहीं करता था । आज्ञा (Agya) चक्र पे वो आए और अपने को पूरी तरह से दिखा दिया कि उनमें कोई भी अहंकार नहीं था । वे परमात्मा के पुत्र थे पर कोई अहंकार नहीं था । उनसे पहले जो लोग हो गए वो तो थोड़े बताते थे, लेकिन ईसामसीह ने यही चाहा, कि हमारा आज्ञा चक्र ठीक हो जाए । और वो आज्ञा चक्र आपके दिल्ली में बहुत पकड़ता है । इसका कारण क्या है ? पहले अंग्रेज यहाँ रह गए और अंग्रेजो ने हमको घमंड करना सिखाया । आप, लोगों की बातचित से पता कर सकते हैं । हमने वो भी दिन देखे हैं जब अपना देश परतंत्र था लेकिन उस परतंत्र से आप लोग निकल आए हैं । अब स्वतंत्रता हो गई और स्वतंत्रता क्या है ? 'स्व' को जानना । जिसने स्व को जाना वह स्व के तंत्र को जानता है । सहजयोग से आपने अपने को जाना है और आप जानते हैं कि आप स्वतंत्र हैं और आपको स्व के तंत्र से चलना है । दिल्ली में बहुत काम हुआ है, ये तो दिखाई दे रहा है । दिल्ली से बाहर भी काम हुआ है । यहाँ के लोगों में जो दोष हैं वो तो आप लोग जानते हैं, मुझे बताने की कोई जरूरत नहीं है । लेकिन अब आप स्वतंत्र हो गए हैं । तो आपको ये देखना चाहिए की हममें तो ये दोष नहीं हैं । पहला तो दोष ये है कि

आपका आज्ञा चक्र ही पकड़ रहा है। ईसामसीह मर गए, सूली पर चढ़ गए। लेकिन उससे हम लोग सीखे नहीं, उल्टे जहाँ इसाई देश हैं उनमें बहुत ही अहंकार है।

वो हम लोगों पर भी छाए हुए थे। पर सबसे बड़ी जो यहाँ खराबी है, कि हम अभी एक दुसरे को पहचानते ही नहीं। जहाँ तहाँ झगड़े, जहाँ तहाँ लड़ाई और आपस में शुद्ध मन नहीं, तो पहली चीज़ है, कि अपने मन को शुद्ध करना है। सहजयोग से सब हो सकता है, कहाँ से कहाँ लोग पहुँच सकते हैं। जरूरी नहीं, कि उसके लिए कोई आप हिमालय जा कर बैठें। इसी दिल्ली शहर में आप कर सकते हैं। पर आप चारों तरफ अगर देखें कि अहंकारी लोग हैं, बहुत ज्यादा उनका आज्ञा चक्र पकड़ा हुआ है। तो बड़ी मुश्किल है। अब एक भगवान ने नई चीज़ भेजी है 'कैन्सर'। अगर आपको कैन्सर हो गया है और आपका अगर आज्ञा चक्र ठीक नहीं हुआ, तो वो ठीक हो ही नहीं सकता और बड़ी आफत हो जाएगी। इसलिए जिनको कैन्सर हुआ है उनको तो चाहिए सहजयोग लें और अपने अंदर जो अहंकार है उसे निकालें। क्योंकि जहाँ भी गवर्नमेंट होती है लोगों में अहंकार आ जाता है। हमारे यहाँ इतने गवर्नमेंट सर्वेंट्स हैं और उनके अंदर काफी सा अहंकार है। पर उनसे भी ज्यादा जो बाहर से आए हैं वो तो उनके नाना हैं और उपर से सब शराब पीते हैं। आप सोचिए कि इसाई कहलाते हैं और सब शराब पीते हैं। तो शराब पीना तो आप अपने ही खिलाफ जा रहे हैं। आप अपने आज्ञा चक्र को ही मना कर रहे हैं। उसको नहीं मान रहे हैं। जिस आदमी का आज्ञा चक्र हट गया वो शराब नहीं पी सकता, कभी नहीं पी सकता। आप जहाँ तहाँ देखते हैं लोग शराब पीते हैं और उसको निकालने का कोई इलाज भी नहीं है उन लोगों के पास। क्योंकि उसके उपर फिर वो शराब पीते हैं। तो किसी भी तरह की लत जो होती है वो अपने को गुलामी में डाल देती है। कोई सी भी, अभी इधर में पान की लत बहुत, उसमें तंबाकू डालेंगे। बताईए इतने भगवान ने आपको मोहब्बत से पैदा किया है इस देश में कि आप सारी दुनिया से निराले हो जाएं। हो सकते हैं 'हिंदुस्तानी होते हैं', लेकिन उनमें दो-चार बिमारियाँ अभी मैं ज्यादा देखती हूँ। वो ये, कि वो खाने की जगह पैसा खाते हैं। अभी जिस रास्ते से हम आए तो मुझे बड़ा दुख हुआ वो रास्ता पहले नहीं था और अब ऐसा रास्ता बना है कि कोई कह नहीं सकता कि यह नया रास्ता है। ये सब हिंदुस्तानी ही कर सकते हैं। इतने बेशर्म लोग तो मैंने दुनिया में कहीं देखे ही नहीं जो ऐसे काम करें और कोई जरूरत नहीं है यहाँ बड़े से बड़ा हर समय कोई भी ये काम कर सकता है।

तो आज यह निश्चय करना है, कि पहले हम अपने आज्ञा को ठीक करें। आज्ञा में सबसे बड़ी बात ये है, कि हम अपने को सबसे उत्तम समझते हैं और हम सोचते हैं कि दुनिया भर में हम चला सकते हैं, दुनिया को हम ठीक कर सकते हैं। जब आप ही ठीक नहीं तो दुनिया कैसे ठीक होगी? देखिए ऐसे आपने बहुत लोग देखे होंगे, जो अपने को बहुत ऊँचा समझ के और बहुत गलत काम करते हैं। इस देश में तो लोग पैसा खाते हैं बताइए कि भगवान कैसे माफ करेगा हमको? सबसे बड़ा गुनाह तो ये है, कि चोरी करना और पैसा खाना। जो इस तरह के गुनाह को करता है उसको कुछ भी करे, वो कुछ भी कोशिश करे, वो पूजा करे, पाठ करे, नमाज पढ़े, अल्लाह को पुकारे उसको कोई फायदा नहीं हो सकता। तो आज आपका नया साल है, आपको मुबारक हो। और मैं चाहती हूँ कि आप लोग आज से ये निश्चय करें, कि हम झूठ नहीं बोलेंगे, कभी भी झूठ नहीं बोलेंगे। हिंदुस्तानी मशहूर हैं दुनिया भर में, मैं गई हूँ कि बड़े ही झूठे हैं। पता नहीं क्यों हमारे देश पे ऐसा ठप्पा लगता है, कि झूठे लोग हैं। यहाँ इतने बड़े

बड़े संत साधू हो गए, जहाँ सूफी जैसे लोग हो गए वहाँ लोग इतना झूठ क्यों बोलते हैं? तो आप आज कसम ले लीजिए, कि हम झूठ नहीं बोलेंगे। चाहे कुछ हो जाए। उसके लिए हिम्मत चाहिए। लेकिन अब आप जब पार हो गए तो और हिम्मत क्या चाहिए? आप झूठ बोल ही नहीं सकते और जब आप ऐसे हो जाएंगे तभी तो लोग आप पर विश्वास करेंगे, कि ये लोग सच्चे हैं। तो सहजयोगी को सच्चा होना है। कुछ में भी बिजनेस हो, कोई भी हो, इंजिनियर हो, सड़कें बना रहे हो, डॉक्टर हो, सबका इलाज कर रहे हैं, ये सब होते हुए भी आपके लिए नर्क है। अगर आप झूठ बोलें तो अब क्योंकि आपने अपना हुलिया बदल लिया है। अब आप पार हैं। सो पार लोग, अगर कोई झूठ बोलें तो उनको कोई भी फायदा नहीं हो सकता।

बाहर मैं अपने देश के बारे में सुनती हूँ, तो बड़ा दुख होता है कि, 'यहाँ के लोग बड़े धोकेबाज हैं, बड़े झूठे हैं, पैसा बनाते हैं।' आज आपका अच्छा शुभ दिन है। आज सब निश्चय कर लो, कि हम कभी भी झूठ नहीं बोलेंगे, चाहे कुछ हो जाए। हम खुद एक औरत हैं, वो भी हिंदुस्तान की। हमने कभी झूठ नहीं बोला। झूठ बोलने से आप ही का नुकसान होगा। झूठे काम करने से आप ही का नुकसान होगा। इस तरह से आप पैसा ज्यादा कमा लें या और भी ढोंग कर लें लेकिन, इसके बाद आप स्वर्ग में नहीं जा सकते, नर्क में जाएंगे। ये बहुत जरूरी है जान लेना है, कि हमारे बारे में सब देशों में इतनी बदनामी है। ये बदनामी क्यों है, क्योंकि हमारे यहाँ ऐसे लोग हैं। आपको अगर पता हो जाए, कि कोई झूठा है, तो आप उसके लिए एक संस्था बनाइए और उनसे पूछिए कि साहब इसका मतलब क्या है? जैसे एक सड़क है। वो अगर ठीक ही नहीं बनी है तो पता करिए, कि कितना पैसा खर्च हुआ और उनको देखिए, कि वो क्या कर रहे हैं? ऐसे पैसे खा के शराब ही तो पिएंगे और शराब हमारी दुश्मन है। किसलिए चाहिए? आप लोगों की तो हालत बहुत अच्छी है और बहुत देश में गरीब लोग हैं लेकिन मैंने देखा है, कि बड़े इमानदार हैं, तो इमानदारी पहली चीज है। आज निश्चय होना चाहिए, कि अब बेइमानी नहीं करेंगे और हम बेइमानों के साथ नहीं रहेंगे और किसी ने अगर किया तो हम बता देंगे। अब ये है कि लोग कहेंगे, “माँ, पुलिस में भी ऐसे हैं, उस में भी वैसे हैं।” लेकिन आप सहजयोगी हैं।

जो सहजयोगी हैं वो किसी पुलिस वाले से या किसी भी बड़े आदमी से कम नहीं। बहुत उनमें शक्ति है। पर सारी शक्ति सच्चाई की है। सच्चाई होनी चाहिए और मुझे बड़ी खुशी है, कि बहुत से सहजयोगी बहुत सच्चे हैं, बहुत सच्चे हैं। लेकिन अभी अपने को और भी सहजयोगी चाहिए, कि जो सच्चे हो जाएं। सच्चाई बहुत जरूरी चीज है। नहीं तो आपका आज्ञा छूट ही नहीं सकता। आज्ञा होता है, उसमें एक चीज है कि 'अहंकार'। जब आदमी में अहंकार आ जाता है, तो कोई सी भी गलती करता है, बुराई करता है, किसी का नुकसान करता है, पैसा खाता है। वो सब नर्क में जाएंगे। मैं आपको बता देना चाहती हूँ, कि आपको पैसा नहीं खाना चाहिए। कोई आप मर नहीं रहे हैं। क्या किया पैसा ज्यादा कमा के, क्या कर रहे हैं? दो चार लाईट्स लगा लिए होंगे और कोई दो चार औरतें रख ली होंगी और क्या है? लेकिन अब जब नर्क में जाएंगे तो आपका क्या हाल होने वाला है। “दिवाली के दिन मैं ये बात इसलिए कह रही हूँ, दिवाली इसलिए मनाई गई थी, कि जब सीताजी वापस राम के पास आ गई।” जब हमारे पास चरित्र आ जाएगा तो फिर हम गुलाम नहीं रह सकते। हम अपने ही गुलाम हैं, दुसरे के थोड़ी। किसी भी बात के लिए झूठ नहीं बोलना है। हम दिल्ली बहुत रह चुके हैं और हम तो हैरान थे, कि लोग कितना झूठ बोलते हैं,

यहाँ, बाप रे बाप ! उनको कोई डर ही नहीं ! साफ साफ झूठ बोलना और उससे लाभ पता नहीं उनको यहाँ हो जाए शायद ! कुछ रुपया पैसा ज्यादा कमा लें लेकिन वो स्वर्ग में नहीं जा सकते । मैं चाहती हूँ, सहजयोगी आज से कसम ले लें, 'न तो हम झूठ बोलेंगे और न तो हम झूठों की मदद करेंगे ।' अपने देश के बारे में लोग ये कहते हैं कि बड़े बेईमान हैं। हाँ, सब जगह। मैं तो बहुत दूर घूमी हूँ। सब में मैंने देखा, कि रशिया के लोग हैं। बहुत बढ़िया ! वो आधे सहजयोगी तो हैं ही और बहुत सहजयोगी हैं। मैं रशिया इस साल जा भी नहीं पाई। अगले साल जाऊँगी जरूर ही। पर इसका ये मतलब है, कि हम डेमॉक्रेसी नहीं पाल सके। हमें भी कम्युनिस्ट होना चाहिए। वहाँ कोई चोरी चकारी नहीं, झूठ बोलना नहीं और सब बहुत प्यार करते हैं। मेरा भी बहुत मान है। लेकिन समझने की बात यह है कि हम कहाँ जा रहे हैं? दो-चार पैसे कमाने के लिए हम जा कहाँ रहे हैं? हमें क्या मिलने वाला है? सो पहले तो इमानदारी अपने साथ होनी चाहिए। तुम्हारे बेईमानी से तुम्हारे ही लोगों को तकलीफ होगी।

हिंदुस्तान को लोग कहते हैं, कि यहाँ के लोग बड़े बेईमान हैं। शर्म आती है सुन कर के। तुम्हारे यहाँ इतने बड़े बड़े संत हो गए, इतने इतने महान पुरुष हो गए और यहाँ पर लोग बड़े चोर हैं और बहुत चोरी करते हैं और बुराई करते हैं, तो इससे पहले ही तो आपका आज्ञा डर गया। बड़े बड़े रईस बन जाएंगे। देखिए, अंत में रईस साहब चले जा रहे हैं नरक में। मैं आज बताना चाहती हूँ, कि दिवाली का मतलब ये है, कि नर्क अंधेरा है और तुम प्रकाश हो गए हो। तुमको चाहिए कि जहाँ भी अंधेरा हो वहाँ लड़ो और ये बताओ, कि ये गलत बात है। इससे हमारा देश सुधरेगा। तुमको ये भी काम एक करना है। पूजा-पाठ हम कर ही रहे हैं। लेकिन जो हमारे अंदर शक्ति है, वो ये है कि हम जो भी असत्य है उसके विरोध में हैं। बहुत से लोगों को पता नहीं पैसा कमाने की बिमारी है। सीधे वो नर्क में जाएंगे। मैं आपसे इसलिए बता रही हूँ, कि किसी ने ऐसा बताया ही नहीं! दिवाली के दिन मैं बता रही हूँ, कि हम खुशियाँ मनाएंगे और दिये जलाएंगे, अपने हृदय में। उस में, उस दिये में हमें दिखाई देगा कि कौन कैसे हैं, चोरी करते हैं। अब तो एक दुसरे की लड़ाई मैं देखती हूँ। हिंदु-मुसलमानों की तो लड़ाई खतम हो गई और दुसरे लोगों की लड़ाई शुरू हो गई। यानी दुसरी बात है। हम लड़ते भी बहुत हैं। कम से कम दुसरे देशों में इतने धर्म नहीं हैं। तो अपने यहाँ तो कोई भी मौका मिल जाए तो लड़ाई करो। लड़ाई पहले। मियाँ-बीवी में झगड़ा, फिर उनके बच्चों में झगड़ा। फिर आपस में कोई हो तो उससे झगड़ा। सहजयोग क्या है? सहजयोग प्रेम है। प्रेम। अपने अंदर जो प्रेम की शक्ति है उसको जगाओ। आज का बड़ा शुभदिन है और हमें दिये जलाने हैं अपने हृदय में और ये निश्चय कर लेना है, कि हम मर भी जाएंगे तो भी हम झूठ नहीं बोलेंगे अपने यहाँ ऐसे लोग हो गए हैं। लेकिन इतना नाम बदनाम है दुनिया में कि हिंदुस्तानी बेईमान होते हैं। भाई, मैंने तो कोई देखे नहीं है। पर सुनते हैं तो बड़ा दुःख लगता है। हिंदुस्तान जैसे पवित्र स्थान जहाँ इतने बड़े संत जन्म लिए और तो कही नहीं। सूफी हैं, यहीं पैदा हुए, सब जो महान लोग हो गए, सब हिंदुस्तान में हुए। किसी भी देश में इतने महान लोग हुए नहीं हैं। एकाध-दो हुए होंगे, पर हमारे यहाँ तो बड़े महान लोग हो गए और उसके बाद उन्होंने जो भी सिखाया, वो तो छोड़ दिये। नम्बरी हम लोग चोर हो गए। जो भी चोरी करते हैं वे कभी भी स्वर्ग में नहीं जा सकते और यहाँ की जिंदगी जितनी है उससे हजार गुना ज्यादा जिन्दगी आप को नर्क में मिलेगी। आज के दिन मैं इसलिए नर्क की बात कर रही हूँ कि नर्क माने जो अँधेरा है वो नर्क हम देखते हैं। अब आपके दिए जल गए। उससे आप देखो की कौन कौन नर्क है।

आप गवर्नमेंट को मदद करो। मदद करो कि कौन बेईमान है। आप छोटी पोजिशन में हो चाहे बड़ी पोजिशन में हो। आपको बता देना चाहिए कि कौन चोर है। चोरों को पकड़ो। झूठ बोलने वालों को पकड़ो। अब तुम्हारे पास शक्ति आयी है। वो किस चीज के लिए? तुम जाग गए हो, किस चीज के लिए तुम्हारे प्रकाश हो गए। उस प्रकाश में आप अपने को देखो। अंधेरे में तो कुछ नहीं दिखा। पर अपने प्रकाश में देखो कि आप क्या हो? और झूठ बोलने से आपको क्या प्राप्त होगा? हम एक गृहस्थी हैं। हम कभी झूठ नहीं बोलते। कभी भी नहीं और बोल ही नहीं सकते। जैसे ही आपको झूठ बोलना पड़े आपके पास शक्ति है। आप सब दीप हैं। आप देख लीजिए इस अंधेरे में। आप दीप हैं और दीप को जलना है। इस अंधेरे को हमें मिटाना है। हम सब दूर तक बदनाम हैं। अरे, हमारे देश जैसे तो लोग कही हैं ही नहीं और बड़ा दुःख लगता है सुन के, कि लोग हमें कितना गलत समझे हैं और बेईमानी कर के भी क्या पाते हैं, पता नहीं और जो पाना है, वो तो भयंकर है। कोई भी नहीं छूटेगा। जो भी बेईमान हो गए सब पकड़े जाएंगे। उसकी व्यवस्था है, आप पार हो गए क्योंकि आप बेईमान नहीं हैं। आप सत्य को प्यार करते हैं और सत्य की इज्जत करते हैं। मैं चाहती हूँ कि आप सत्य पे खड़े हों।

अब जैसे जमुनाजी में लोग कचरा फेकते हैं माने बेवकूफ हैं। जमुनाजी तो सीधे नरक में उतरती हैं, लेकिन उस नरक से आप बच जाओगे। आप पार हैं। जिसके पास दिया होता है वो गिरता तो नहीं। लेकिन अगर आपको वाकई में सहजयोग को अपने अंदर पूरी तरह समाना है, तो पहले तय कर लो, कि हम बेईमानी नहीं करेंगे, किसी भी तरह। पैसा कमाना ही इस दुनिया में धंदा रह गया है। उससे क्या होता है? कोई उनको याद भी नहीं करता। अगर आप अपने देश से प्यार करते हैं तो पहले आप सच्चाई रखो। नहीं तो झूठे आदमी के प्यार का क्या विश्वास? ये आपकी एक बड़ी मुश्किल है। क्योंकि आप देखते हैं हमारा पड़ोसी ऐसा तो हम भी वैसे हो जाए, पर ऐसा क्यों नहीं सोचते, कि हम ऐसे हैं, तो उस पड़ोसी को क्यों नहीं हम अपने जैसे बनाएँ? पहले तो आज कसम खा लो, कि हम कोई बेईमानी नहीं करेंगे और हम बेईमानों का साथ नहीं देंगे। झूठापन अपने देश पे पता नहीं शाप है। बहुत से लोग हैं सुबह से शाम तक दस झूठ बोलेंगे मगर उनका पेट ही नहीं भरता। अब तो आप की गरीबी हट गई। काफी ठीक है, खाना पीना सब है। कोई आप लोग भिखारी नहीं हैं। फिर झूठ क्यों बोलते हो? आज के दिन का निश्चय कर लो, कि हम झूठ नहीं बोलेंगे और कोई अगर कोई झूठा होगा तो हम उसके साथ नहीं चलेंगे। हमारा उससे कोई संबंध नहीं होगा। इसमें बड़ा सुख, बहुत आनंद है। इससे आपको पता है, कि झूठे आदमी नरक में जाएंगे और आप भी उसके पीछे पीछे जाएंगे। आपको भगवान ने जागृत किया है। आपके अंदर प्रकाश है। उस प्रकाश में देखो। अगर तुम जैसे लोग यह तय कर लें, कि हम झूठ नहीं बोलेंगे, चाहे कुछ हो जाए, चाहे हमारी गर्दन कट जाए। इस मामले में हिंदुस्तानी बहुत अच्छे हैं। मैं जानती हूँ, लेकिन जब मैं बाहर सुनती हूँ तो बड़ा दुःख होता है। अब जैसे ये रास्ता बनाया है, ये कोई रास्ता है? ये तो मुझे लग रहा था कहीं जंगल में जा रहे हैं। जो ऐसा कुछ दिखाई दे, तो तुम्हारा ऑर्गनाइजेशन है। तुम सब मिल कर के ये पूछो, कि ऐसा रास्ता किसने बनाया? क्यों बनाया? किसने पैसे खाए? आप सारे सहजयोगियों को एक हो जाना चाहिए और उस तरफ आप कोशिश करें, कि ये अपने भारतवर्ष में जो भूत घुसा हुआ है उसको निकालें। कहीं भी जाओ तो लोग कहते हैं, “भैय्या, हिंदुस्तानियों पर विश्वास मत करो!” कितनी शरम की बात है! जिस पे सब से ज्यादा विश्वास करना



चाहिए वो तो हम हिंदुस्तानी है। लेकिन हमारे यहाँ बड़े बड़े लीडर हो गए, बड़े बड़े सब महान लोग और महान आत्मा और हम उनको नहीं देखते कि उनका कितना नाम है। उनको लोग कितना मानते हैं। आपको भी मानते हैं, मैं जानती हूँ पर आप चोरों के साथ मत खड़े हो। अगर आपको पता हुआ, कि ये आदमी चोर है तो उसके घर खाना खाने नहीं जाओ। चोरों को बड़ी मुश्किल हो जाएगी। मैं आपसे बताती हूँ कि आप सब भगवान के पुलिस वाले हैं और जितने भी चोर आपको मिलें उनका पता रखो। आपके बच्चे, उन में भी हिम्मत भरो। अगर कोई गलत काम करते हैं और झूठ बोलते हैं, तो आप उसका पता करो। अपना ये देश, बहुत सारे संतों के साथ जागृत हुआ है और आप सब संत हैं। आपको कोई जरूरी नहीं, कि आप झूठ बोलें। अरे एक बार खाना न मिला तो क्या? खाना नहीं खाने से कोई मरता नहीं। हम लोगों को खाना - पीना मिलता है। पर उस पर शराब लेते हैं। शराब लेने से तो दूसरे एक कदम हम चलते हैं। जिससे हम नष्ट हो जाएंगे। शराबी होने से हम कुछ ठीक नहीं हो सकते। अब जैसे अमेरिका है, वो एक एक नई बात निकालते हैं, कि सोलह साल का बच्चा हो जाए तो अपना कमाना है, मतलब ये कि सब नौकर हैं। जब वो कुछ काम करते हैं, गाड़ी धोते हैं, तो उनको पैसा देते हैं। और सोलह साल में क्या कहते हैं, “कि साहब, अब तो हम सोलह साल के हो गए। अब जाईए बाहर।” मैंने ये देखा है हर जगह, यह गरीब सोलह साल के बच्चे। हम लोग तो यह सोचते हैं, कि वह सोलह साल का हो रहा है तो कहाँ जाएगा? क्या पढ़ेगा? वो तो सोलह साल का हो गया ना! उसको घर से निकाल देते हैं माँ भी और बाप भी।

यह अमेरिकन्स का कितने दिन चलने वाला है, देख लीजिए आप। नष्ट हो रहे हैं। एक दो एरोप्लेन लेने से कोई बड़ा नहीं होता। आप कहाँ हैं? आपकी कौनसी औकात है? हिंदुस्तान ऐसा देश है कि सारी दुनिया को बचा सकता है, सारी दुनिया को। लेकिन उसमें सच्चाई आनी चाहिए। सच्चाई आना बहुत जरूरी है। हर मामले में सच्चाई। कोई झूठापना करने की जरूरत क्या है? मेरी समझ में नहीं आता! ज्यादा जितने अमीर लोग हैं, उनको तो पहले समझ लेना चाहिए, कि आप अमीर हैं। अब चुप बैठिए और कमाने की मत सोचो। ज्यादा पैसा मिलने से कौन आदमी खुश है? ये मैंने तो आज तक देखा नहीं। आप सहजयोगी हैं! आपके अंदर प्रकाश है। प्रकाश में आप अपना रास्ता देखते हैं और रास्ता सत्य का है। चाहे आप मुसलमान हों, चाहे हिंदु हों, चाहे इसाई हों। कुछ फर्क नहीं पड़ता, आप सब इन्सान हैं और अगर इन्सान में इमानदारी नहीं तो वो बेईमान है। उसको कोई नहीं जानेगा। इसके बाद भी तो हमारी जिंदगी है, वो कैसी होगी। इमानदारी से अनेक लाभ हैं। सबसे तो बड़ा ये, कि परमेश्वर का आप पे आशीर्वाद होता है। ऐसा आशीर्वाद होता है कि बैठे बिठाए आप हैरान हो जाएंगे। बैठे बिठाए आपका सब ठीक हो जाता है। लेकिन अब हिंदुस्तान में लोग कैसे भी हों, नहीं भी हों, सब पैसे के पीछे भागते हैं। और तो भी गरीब लोग बहुत हैं इसलिए आज के दिन उनकी भी दिवाली होनी चाहिए। उनको भी खुश होना चाहिए। हम उसी देश के रहने वाले हैं। पर हम तो अपने ही को धोका देते हैं। बड़े होशियार हैं। इससे हमारे अंदर अहंकार आ जाता है और जब अहंकार आ गया तो फिर किसी भी तरह से कोई नहीं बचा सकता। अहंकार में आपको तो कैन्सर हो जाएगा। तो आप बचा नहीं सकते अपने को। अगर आपके अंदर कैन्सर है तो आप बचा नहीं सकते। मैं नहीं बचा सकती। सच बात बता रही हूँ। आपका पहले अहंकार जो है, उसको आग में जला दीजिए और अहंकार है तो शर्म कीजिए। किस चीज का अहंकार है साहब? अपने देश में तो हर बात का, किसी

ने बी.ए. पास कर दिया, तो उसको अहंकार हो गया। और उससे आगे कुछ किया तो डबल अहंकार। किसी ने कुछ प्राप्त किया, इंजिनियर हो गया, डॉक्टर हो गया तो उसको अहंकार। सो ये आज्ञा चक्र जो पकड़ जाता है, वो सीधे आपको कहाँ ले जाएगा? नर्क में और नर्क बड़ी भयंकर जगह है। आपके पास भगवान ने बुद्धि दी और अब आप पार हो गए हैं। उसके बाद भी अगर आप नर्क में जाना चाहें तो जाइए। आज तक किसी ने बात नहीं करी, कहा नहीं। आज का दिन जो है इसलिए शुभ है, कि बहुत अच्छे काम हुए। सीताजी लौट आई। रामचंद्रजी के जमाने में, कृष्ण के जमाने में और जो बड़े बड़े काम हुए सब पार लोगों से हुए हैं। इसलिए पहली चीज़ आप निश्चय कर लीजिए आज, कि हम कोई भी बेईमानी तो करेंगे ही नहीं, लेकिन कोई अगर करेगा तो हम उसको पकड़वा देंगे। पर मैं देखती हूँ इस देश में काले का गोरे से झगड़ा है, कोई किसी से झगड़ा। चाहते हैं कि भारत वर्ष को अलग अलग कर दे। उससे कोई फायदा नहीं होने वाला। फायदा काहे से होगा! जब आप इमानदार रहो और तुम्हारा चरित्र अच्छा हो। अंग्रेजों से जो भी सीखा है, उनसे सीखने लायक कोई चीज़ नहीं। वो तो सब बुरी हालत में हैं आज कल, लेकिन हमें अपने देश को बचाना है और सारी दुनिया को बचाना है। बड़ी जिम्मेदारी है। आपको पार कर दिया, आप में प्रकाश आ गया तो भी आप गड्ढे में जाना चाहें तो कौन क्या करेगा? सबको मिल कर के कोशिश करनी चाहिए। मैं तो चाहती हूँ, कि सहजयोगियों की एक कमिटी बनाएँ, कि वहाँ आपको कहीं भी चोरी पता चली तो कमिटी को बताओ और कमिटी क्या करती है देखें। इसी तरह से आपका नाम होगा, इसी तरह से आप बड़ी पोजिशन में जाएंगे। तो पहली तो चीज़ है, न ही आप बेईमान बनें और न किसी को बनने दें। ये बहुत जरूरी है। आपके देश पर लगा कलंक। तेल में मिलावट है, तो घी में मिलावट है। जहाँ देखो वहाँ सब लोग हँसते हैं हम पर।

कोई विश्वास ही नहीं करता, हालांकि सबसे बढ़िया लोग हिंदुस्तान में हैं। इतने लोग कहीं पार ही नहीं हुए। इन्होंने कोई पुण्य नहीं कमाया। तो पैसा कमाने से अच्छा है, पुण्य कमाओ। जो बहुत गरीब लोग हैं उनको देखो। तो आज का दिन बड़ा शुभ है और आनंद का दिन है। किसलिए आनंद? कि इस रोज हमें स्वर्ग मिला और हम स्वर्ग में ही रहना चाहते हैं। पर स्वर्ग में डरपोक लोग नहीं जा सकते। डरने की कोई जरूरत नहीं है। अरे, दो पैसे अगर कम मिले या ज्यादा मिले तो इतनी कौनसी आफत आने वाली है? सब लोग रईस हो गए। मैं देखती हूँ न, मैं यहाँ सतरह-अठारह साल से आ रही हूँ। पहले से आप सब लोग रईस हो गए। पहले से अब हालत ठीक हो गई है। पर सुबह से शाम बेईमानी, बेईमानी, बेईमानी। तो रास्ता बना हुआ है। बस, आज कसम खा लो, कि हम कोई बेईमानी नहीं करेंगे और अगर कोई करेगा तो हम सब मिल कर के उसको अपोज करेंगे। सहजयोग आपको क्यों दिया? पार क्यों कराया? इसलिए कि आप प्रकाश डालें। आप ही के अंदर प्रकाश नहीं होगा तो बाहर क्या प्रकाश डालेंगे और प्रकाश डाल के देखें, कि हम बेईमानों को मदद कर रहे हैं। कुछ नहीं होता अगर दो पैसा आप कम कमायें या ज्यादा कमायें। अगर आप इमानदार हैं तो आपको भगवान मदद करते हैं। अपने देश में लोग इतने क्यों मरते हैं? और कहीं नहीं मरते। उसका कारण है, कि नर्क में जाना है न। तो ये जान लीजिए कि आप अगर बेईमानी करेंगे, तो पहला कदम तो आपका नर्क में होगा और दूसरी बात, झूठ बोलने की कोई जरूरत ही नहीं है। आप सच बोलिए। जो आदमी सच बोलेगा वो एक अनोखा। वो अगर सहजयोग करे तो भव्य होगा। जैसे आज



आप सूफी को याद कर रहे हैं, तब लोग आपको याद करेंगे। काम कुछ करना नहीं है, सिर्फ बेईमान जो हैं उनको पकड़ो। जरूरी है। यहाँ लोग झगडा कर रहे हैं, कि जमुनाजी में कचरा मत फेको। ये नहीं फेको। अब ये भी बताना पड़ता है। मैं इतने देशों में घूमी हूँ, कहीं भी कोई नदी में कचरा नहीं फेकता। तो इतने आलसी क्यों हो? यहाँ इंतजाम कितना है, कि कचरा आप म्युन्सीपाल्टी को दे दीजिए। कहीं पर दीजिए। पर आप खुद ही कचरा करें, तो फिर आप क्या करेंगे। सब लोग सोचो मन में और निश्चय करो आज। बड़ा अच्छा दिन है आज का। बड़ा अच्छा दिन है, कि हम न तो बेईमानी करेंगे, ना ही हम बेईमानों को मानेंगे। हमने ऐसे लोग देखे हैं, कि जो खुद बेईमान नहीं थे और बेईमानों के घर जाते नहीं थे। उनसे कोई मतलब नहीं रखते थे। क्योंकि वो अपना तो हित करते ही हैं पर सारे देश का हित करते हैं। तो आप सहजयोगी हैं। आपको चाहिए, कि आप कसमें खा लो कि हम कोई बेईमानी कभी करेंगे नहीं। आप सिर्फ पहचान लीजिए, कि कौन बेईमान है और सिर्फ आप अपने अंतरात्मा से कहिए कि बेईमान है। और सहजयोगी, अगर बारह सहजयोगी भी मिल जाएँ और सब मिल कर जान लें कि ये आदमी बेईमान है, तो परमात्मा तुम्हारे साथ है।

थोड़े रईसों से ये देश का भला नहीं हो सकता। लेकिन इमानदारों से होगा। तो सबसे बड़ी चीज, हमारे ऊपर कलंक ये है कि बेईमान हैं और जो सहजयोगी है वो तो बेईमान हो ही नहीं सकता। ये तो मेरा विश्वास है। हम सब को एक होना चाहिए। सब झगड़े छोड़ दीजिए और ये कि हम इमानदार लोग हैं। हिंदुस्तान का नाम बहुत बदनाम है, इसलिए आज से वचन लो, कि हम कोई बेईमानी नहीं करेंगे और दुसरे बेईमान अगर हो तो हम सब मिल कर उसका पीछा करेंगे। दूसरे दिन उसकी नींद भाग जाएगी। पर बहुत बढ़ गई है, हम तो आपसे कह रहे हैं, कि हम तो हैरान हैं, हर चीज में बेईमानी, हर चीज में बेईमानी। पहले ये छोटी छोटी बात में आउटकास्ट बनाते थे। और छोटी छोटी चीजों में अपने को अलग करते थे। लेकिन हमारा देश इतना इमानदार रहा। ऐसे ऐसे गुण थे, वो हम क्यों भूल गए? कहाँ चले गए? हर जगह मैं देखती हूँ, कि बेईमानी। हर कदम पे बेईमानी है। हमारे यहाँ बच्चों को सिखाओ, कि तुम बेईमान मत बनो। अगर हाँ, मर रहे हैं, भूखे मर रहे हैं तो उसका इंतजाम हो सकता है, पर अगर इमानदार हैं तो और अगर इमानदारी नहीं है, तो परमात्मा तो क्या, आपको कोई मदद नहीं करेगा। दुनियाभर की बिमारियां लग जाएंगी। ऐसे हमारे देश के बहुत ट्रेडिशन अच्छे हैं। बहुत शराब पिएंगे, दारु पिएंगे। बताइए, यहाँ क्या आप बेवकूफ बनने के लिए आए हैं? और जो करते हैं उनसे दोस्ती छोड़ो। उनको मदद मत करो। मैंने यह देखा है कि कोई आदमी शराब पीता है, तो लोग उसके यहाँ आते हैं और वो भी शराब पीते हैं। लेकिन आपको अगर पता हुआ, कि यह आदमी ऐसा है, ये पता हुआ कि यह आदमी बेईमान है, तो आप उसके घर खाना छोड़ दो। उससे कोई मतलब नहीं है। अपने देश का हमें भला करना है, क्योंकि भगवान ने हमें लाइट दे दी। उस लाइट में देखो। उसकी शक्ति बहुत जबरदस्त है। तुम अगर यही सोच लो, कि जिसने बेईमानी की है देश से, उसको भगवान देखेगा। बस बहुत है! लेकिन आप बहरे हो जाते हैं, आपको समझ ही में नहीं आता। ऐसा आदमी कभी कुछ अच्छा नहीं कर सकता, न कभी दे सकता है। पता नहीं कैसे वो बेशरम जीते हैं? यह मुझे पता नहीं, पर जीते हैं। और इसीलिए आज का एक संदेश आपको है, कि आज ये व्रत ले लो कि हम कभी भी कोई बेईमानी नहीं करेंगे और अगर कोई बेईमान होगा तो उसकी हम मदद नहीं करेंगे। काफी है। अपने देश में और भी रियलाइज्ड सोल्स आएंगे। पर ऐसे बेईमान देश में कौन आने चला! तो आज का एक ही संदेश है कि आपके पास प्रकाश

है और उस प्रकाश में आप चलो और वो तुमको शक्ति देगा। जो भी करना चाहो कर सकते हो। देखिए हमने अपनी स्वतंत्रता को पाया है। स्व तंत्र, स्व को जानो ना !

अब मैं चाहती हूँ, कि बहुत से बच्चे पैदा हों, पार हो, इसलिए पहले सीख लो। आज का बड़ा दिन है। आज व्रत ले लो कि हम ना तो बेईमानी करेंगे और ना ही बेईमानों के साथ होंगे। ना उनसे डरेंगे। उनके साथ भगवान तो है नहीं। भगवान आपके साथ है। अगर आप अच्छे हैं तो भगवान आपके साथ है। सारे लोगों ने तो इसी भारत भूमी में जन्म लिया था इसलिए तो नहीं कि आपस में लड़ो मरो, महा मूर्ख। हम लोग लड़ते हैं, मरते हैं। कुछ लड़ने से फायदा नहीं, लोगों को बताओ। अरे भाई क्यों लड़ते हो? तुमको क्या चाहिए? क्यों? आखिर क्या चाहिए तुमको? खाने को अच्छा है, पीने को अच्छा है। बस और क्या चाहिए? पर आज कल तो ये है, कि भाई हमें ये कपड़े चाहिए, हमें ऐसा घर चाहिए और ये नहीं, उसी के साथ कि हम जाएंगे नर्क। उस वक्त में वो जो सूफी हो गए वैसे आप सब सूफी ही हैं, क्योंकि आपकी सफाई हो गई। अब सब लोग कविता लिखो, इमानदारी की। ये बेईमानी तो जानी चाहिए, पहली चीज और दूसरी बहुत सी बातें हैं जो ठीक होनी चाहिए। लेकिन सबसे पहले तो बेईमानी मत करो। कोई भारत वर्ष में इतना गरीब नहीं, कि उसको बेईमानी करनी पड़े। हम यह कह रहे हैं, कि हमारे देश पे जो कलंक है उसको मिटाना चाहिए और आप सहजयोगी हैं, आप कर सकते हैं। आपके पास प्रकाश है। प्रकाश से आप सब जगह लाइट फैला सकते हैं और सबको हिम्मत दें कि ठीक है। खास कर आप लोगों में जो यंग लोग हैं, दोस्त हैं, वो यह सोचो, कि क्या क्या इमानदारी का काम आप कर सकते हैं। अब लग गए कि यमुनाजी में यह मत फेको। ठीक है, लेकिन वो इतनी जरूरी चीज नहीं है। जरूरी चीज है एक अपने इमान को खोना। और इसीलिए आज का दिन बड़ा शुभ माना जाता है हर जगह। जगह - जगह में लाइट लगाई जाती है। सब कुछ होता है और अगर ये हम नहीं कर सके तो सहजयोग का क्या फायदा? सबसे ज्यादा सहजयोगी हिंदुस्तान में हैं। सबसे ज्यादा। और उसके बाद रशिया में। अब रशियन लोग बहुत ही ज्यादा मग्न हैं। वो चोरी चकारी नहीं करते। पता नहीं क्यों? हमारे यहाँ कम्युनिजम आ जाए तो शायद हम लोग भी वैसे हो जाएं। पर वो कोई बात बड़ी ऊँची नहीं है। जबरदस्ती कोई कुछ करे वो अच्छा नहीं है। हम अपने पे जबरदस्त हो जाएं। तय कर लीजिए, आज यह निश्चय कर लीजिए आज बड़ा अच्छा दिन है, कि ना तो हम बेईमानी करेंगे और ना ही दूसरे को करने देंगे। आपका देश बहुत समृद्ध हो जाएगा। और देश क्या है मैं देख चुकी हूँ सब देश, बेकार लोग हैं। पर हमारे देश में लोगों में अब भी बहुत ज्यादा धर्म है। हमारे यहाँ धर्म खत्म हो चुका, जब बेईमान लोग इतने जबरदस्त हो गए हैं। तो आज एक ही संदेश है कि 'न तो हम बेईमानी करेंगे और न किसी को करने देंगे।'

लेकिन यहाँ के लोग इस मामले में बहुत टॉलरंट हैं, सहते हैं। सबसे बड़ी यही गलती है। जब आपने प्रकाश पाया है तो आप क्यों डरते हो? आपको क्या जरूरत है डरने की? इसलिए मैं आज आपसे बिनती करती हूँ कि हिम्मत से काम लो और अब एक स्वतंत्रता हो गई। स्व का तंत्र आप पाएंगे। आपने पाया है, लेकिन उसका इस्तमाल करो। आज आप इतने लोग यहाँ आए। मैंने इतने कभी नहीं देखे थे दिल्ली में। सो आज सब लोग यही मन में निश्चय कर लें, कि हम लोग किसी बेईमान को मानेंगे ही नहीं और सब राक्षस भी ये इसी के लिए जन्म लेते हैं। क्योंकि हमारे अंदर कुछ है ना ऐसा, कि वो सोचते हैं वो हमें मान लेंगे। हिंदुस्तानियों को कभी नहीं मानना

चाहिए और फिर जो भी पार हैं उसको तो कभी भी नहीं। अपने देश पे एक बड़ा लांछन है सब जगह। ये बात सच नहीं है ! हिंदुस्तान में बहुत लोग हैं इमानदार, बहुत। लेकिन ये बात सच नहीं है। पर यह बात मैंने देखी है। झगड़ा करेंगे यह जमीन हमारी, ये जमीन तुम्हारी। अरे जो आपका है वो है 'स्वराज्य' स्व का राज्य। स्व का राज्य होगा, तभी होगा जब आप वाकई में स्वतंत्र हो जाएं। किसी से डरने की जरूरत नहीं। किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं। इतने लोगों को देख कर मैं तो हैरान हो गई। मैंने कभी दिल्ली में इतने लोग देखे नहीं थे। सो आप को बिनती यही है, कि आज इतने शुभदिन पर निश्चय कर लें कि हम बेईमानी तो करेंगे नहीं, चाहे हम मर जाएं। दस साल में बहुत अपना देश खराब हो गया है। तुम लोग इतने सहजयोगी हो, तुम्हें किसका डर है? डरने की कौन सी बात है? सबके पीछे परमात्मा खड़े हुए हैं। देखिए, सूफियों को पता हुआ, कि परमात्मा हमारे पीछे हैं तो वो सब उन्होंने दुनिया भर की बेकार की चीजें हटा दी। पर सब नहीं कुछ सूफियों ने। तो आपको सबको करना चाहिए। मेरे खयाल से आज का यही संदेश है, कि अब आप ना तो खुद चोर हों और ना ही चोरों की मदद करो, पर मैं देखती हूँ पेपर में कि और और चीजों के लिए झगड़ा है। जाति-पाति पे झगड़ा है। अरे बाबा, इस देश को तुमको बचाना है कि डुबाना है? बड़ी जिम्मेदारी है आपकी। आप कलयुग में पैदा हुए हैं। इसलिए इस कलयुग को बदलना है और हजारों में आप पार हैं। इतने लोग तो कहीं दुनिया में पार नहीं हुए। इसलिए आपसे फिर मैं बार बार कहूँगी, कि तुम सच्चाई पे खड़े रहो, मैं तुम्हारे साथ हूँ। और भगवान भी तुम्हारे साथ है। भगवान भी तुम्हारे साथ है। तो सबसे बिनती है, कि आज अपने अंदर ये ठान लो कि हम कोई चोरी चकारी चलने नहीं देंगे, जहाँ पता होगा वहाँ हम लड़ेंगे। पर मेरे खयाल से लोग क्या शराब पी गए कि क्या है इस प्रकाश में आपने क्या पाया? हिम्मत और हिम्मत से लड़ो। जो गलत चीज है इस देश की वो हटानी है। बहुत बदनाम है और भी बहुत बातें हैं पर सबसे बड़ी बात यही है कि पहले तो इमानदारी ही नहीं तो तुमको भगवान कैसे मदद करेगा? पैसे पाना कोई भगवान की मदद नहीं है। धर्म को पाना और तुमने पाया है। इतने लोग तो कोई सहजयोगी है ही नहीं दुनिया में और सहजयोगी ऐसा काम करते भी नहीं है। पर मैं इसलिए बता रही हूँ कि यहाँ का ऍटमॉस्फियर खराब है। और हम लोग इतने बदनाम है हर जगह। सब है आपके पास, खाने-पीने को है, कपड़े-लत्ते हैं और क्या चाहिए? आप सिनेमा देखो, वो देखो इतना तो पैसा है। पर ये पैसे की बिमारी जो है, ये पहले जानी चाहिए।

मुझे पूर्ण आशा है, कि मेरी आज की बात को आप ध्यान से सुनेंगे। और आज से कसम खा लें, कि हम तो बेईमानी करेंगे ही नहीं लेकिन जो दूसरे भी करते हैं उसका हम विरोध करेंगे। यह सबसे बड़ी बात समझ लो, कि आज अपने देश को इमानदारी चाहिए। इससे बढ़कर और कोई चीज नहीं। आपकी माँ है ईमानदारी। दस शर्ट की जगह एक शर्ट है तो क्या हुआ? ऐसे ही औरतों से कहो, हो जाएगा। बन जाएगा।

आज का भाषण जरा अलग है, निराला है। और तुम लोगों को पसंद आया ये बड़ी कृपा है। सो धन्यवाद !

# ENGLISH TRANSLATION

## (Hindi Talk)

Happy Diwali,

Wish you all a very happy Diwali.

You have seen these different types of dances, understand one thing from them, that whoever has written it or said it, they are all saying the same thing. The greatest thing that they said was that the Paramatma is One.

They had incarnated in different forms, avatars, but the Paramatma is one. There were no disputes amongst them, they came in this world for the destruction of evil and killing the wicked people; and this is happening. I am seeing everywhere that these evil people are getting exposed and now it is your duty too, to see that all those who are evil, those who are working against the Paramatma and who are ready to do anything for the sake of earning money, all of them go to hell. We do not know how many Hells *there are!*

The place where you are all sitting now is very much away from hell. There is no relation with hell at all. But *even* staying here, if you perform unreligious deeds, do wrong things then you too can go to hell. There are many types of hells and the arrangements to go there are also very nicely done. Because those who are going there, do not even know where they are going. Those who remain behind go to Heaven. Nobody on this earthly abode even knows that they may even go to Hell. Doing wrong deeds would land us in Hell.

The meaning of Diwali itself is that the way the lamps are lit outside, you too should be lit within-enlightened. In this dark world you see, you are the lights, you are the lamps and you have to give the light. But if you are not internally enlightened enough then how can you give out light? Realise this. So first of all, you Sahaja Yogis should get properly enlightened internally and may be it is for this purpose alone that we have come into this world. Until Jesus Christ, nobody even spoke about this. At Agnya chakra He came and showed that he did not have any ego whatsoever. He was the son of the Almighty, still he had no ego. The people who had come before him revealed a little but Christ only wanted that our Agnya chakra should be cleared. And that Agnya chakra seems to be very much caught up in your Delhi. What is the reason for this? The English people lived here before and they taught us to be egoistic. This is quite evident in your talk and behaviour. We have seen those days too when our country was not independent but you people are liberated now. Now we are independent. And what is swatantra ( independence)? Know the Swa – oneself and the tantra – mechanism. Know the mechanism of oneself. Through Sahaja Yoga you have known yourself and you know the technique or the mechanism of knowing oneself.

It can be seen that there has been a lot of development in Delhi. Outside Delhi too there has been a lot of development. You all know what the problem is with the people over here, I need not tell you. But now you have become independent, so you have to see that you don't have these problems. The first problem is that your Agnya chakra is catching. Christ was crucified and killed, but still we have not yet learnt from it. On the contrary, people from the Christian countries are highly egoistic and they have influenced us also. But the worst thing here is that we have not yet recognized each other. There are fights and disputes everywhere. There are quarrels going on, there is no purity of mind. First of all we should purify our minds. With Sahaja Yoga everything is possible and can take people to such great heights. It is not necessary for anyone to go and sit in the Himalayas. You can do this in the city of Delhi itself. But if you look around you will see egoistic people everywhere and their Agnya chakra is caught up very severely. So it is very difficult.

Now God has sent one new thing and that is “CANCER”. If you get cancer and your Agnya chakra is not clear, then a big tragedy is ahead of you. So, one who has cancer should take to Sahaja Yoga and clear out his ego. Wherever there is Government, there the people are very egoistic. We have got so many government servants here and all of them have enough ego in them. The people who come from outside have much more than them and on top of it they all drink liquor. You just analyse, they call themselves Christians and they all drink. By drinking liquor you are going against yourself. You are disobeying your Agnya chakra. You are not obeying it. The person whose Agnya chakra is clear cannot drink, he can never drink. *Wherever you look*, the people are drinking liquor, and they have no ways of getting rid of it. Because when they find they are unable to get rid of it, again they drink *over it*. So addictions of any sort puts us into slavery, let it be of any kind. Here, there is addiction to paan and they will add tobacco also to it.

God has created you with so much of affection and given you birth in this country so that you can become unique from rest of the world. They can be so. They are Indians. But of late, I find that there are a couple of serious ailments. They are eating money in the place of food. The roads by which we came now were not there earlier but it was a pain for me to see that the roads are in such bad shape that no one can say that they are new. Only Indians can do such things. I have not seen such shameless people in the whole world. And it is not necessary to be so. Here any time, any person who has the power can do this thing.

First of all, we have to take a resolution today that we have to clear our Agnya. The greatest issue at the Agnya is that we think that we are very superior. And we start thinking that we can *rule* the whole world, and that we can correct the world. When you yourselves are not correct then how can you correct this world? Now, you must have seen many people who think that they are very great, but do a lot of wrong things. In this country people take a lot of money. Tell me how will God forgive us for this? The greatest of all sins are stealing and corruption. The person who commits these types of sins, whatever he may try, he may do poojas, chant mantras, read namaz, call out to Allah, anything, he won't be benefited in any way.

So, today, is a New year for you, I wish you all and I want you all to make a resolution – From today onwards, I will not tell lies, never ever lie”. Indians are very famous world wide as liars. I do not know how but our country carries the stamp of being dishonest. Great saints, prophets have taken their birth here. How can people lie at a place where so many Sufis were born? So today, you have to promise that you will never tell lies, whatever may be the consequences. For that you need to have courage. Now that you are realized what more courage is needed? As it is you can't lie at all. It's only when you become like this, the people will be able to have faith that you are really truthful people. So, the Sahaja Yogis have to be truthful. Whatever may be one's occupation, whatever he may do he may be an Engineer laying roads, he may be a Doctor- treating everyone. If *in spite* of all this, if you lie then it would be Hell for you. That is because you are now transformed. You are now realized. So when realized people lie they cannot benefit from it at all.

When I go abroad, and often hear people say, that the people of our country are cheaters, liars and corrupt, I feel very sad. Today it is very auspicious day for you. Today let us all make a resolution that we will never lie, whatever it may be. I myself am a woman, that too an Indian. I have never said a lie. By telling lies it would be a loss for you, you will be put to loss by doing wrong deeds. By doing so, you may be earning more or cheat more but you cannot go to Heaven, you will go to Hell.

One thing it is very important to know that we have a very bad reputation in the rest of the world. Why the bad reputation? Because, we are such type of people! When you come to know that someone is a liar, form an organization and make an enquiry into it. For example, if a road has been laid which is not good enough, then enquire about the amount spent in its laying and what was its sanctioned layout cost and *what is he doing?* (*this is not clear, do you think Mother means 'What was it spent on'?*) The money that is made out of the road will only be used for drinking and liquor, which is our enemy! Why do you want to do it? You are all very *well-to-do* people. I have seen many countries where there



are poor people but they are very honest. So honesty should be the foremost quality in you.

Today, make a decision that we will never be dishonest hereafter. And we will not remain in the company of dishonest people and if anyone is dishonest we will expose him. Now it is like this, people will say, "Mother in the Police force too they are like this and in other departments too they are like that," but you are Sahaja Yogis. Those who are Sahaja Yogis, are nothing less than any policeman or any person in power. They are all powerful. But all the powers are of Truth. Truthfulness should be there and I am very glad that a lot of Sahaja Yogis are truthful but we still need more Sahaja Yogis who are truthful. Truthfulness has to be there, otherwise your Agnya chakra will not be cleared. Agnya, is where the ego resides. When a person becomes egoistic, then he commits any kind of mistakes, he criticizes, harms, gets corrupt – all such people will go to hell. I want to tell you very clearly, that you should not take to corruption, you are not dying, that you have got to go to that extent. What have you done by earning more? What are you doing? You must have put up a few more lights, kept a couple of more women, what more than that?

Now, what will be your condition when you go to Hell? I am discussing all this, on this day of Diwali because Diwali was celebrated on the occasion of Sitaji's re-union with Rama. We can no more be slaves once we embrace chastity. We are our own slaves and not the slaves of others. We shall not lie for any reason whatsoever. I have lived in Delhi for a long time and am quite surprised at how much they lie. They are not afraid of lying at all. By telling lies openly they might benefit here, they might earn more money, but it is not known that they will not go to Heaven. I want the Sahaja Yogis to promise that neither will they lie nor will they support the people who lie.

People say that our country is very corrupt. Yes, I have been to far off places and I have seen that the Russians are the best amongst them. They are as it is, half like Sahaja Yogis and a lot of Sahaja Yogis are there. This year I was not able to go to Russia, next year I will definitely go. This means that we were not able to implement democracy well, we too should have been communist. There are no cases of robbery there, no lies and everyone loves each other. They respect me a lot. We have to understand where we are going. For the sake of earning more money, to what extent will we go? What are we going to get? So, honesty should be the foremost quality within you. Your dishonesty is going to create problems for your own people. People say that the Indians are dishonest. I feel ashamed to hear this. So many great saints have taken birth over here, how many great prophets have been over here, and people of this place are great thieves and they steal and criticize – your Agnya has been scared of all this from the beginning itself. They want to make huge money; in the end all *these* rich people will go to Hell.

On this day of Diwali, I want to tell you all that the meaning of Diwali is that the Hell is full of darkness and you all are enlightened. You are expected to fight *wherever* there is darkness and let them know that they are wrong deeds.

By doing this our country will improve and you have to do this. We have been performing poojas and rituals but the Shakti (Divine power) which is there within us, is there to oppose all that is not truthful. Many people do not know that making money is a sickness. They will go straight to Hell. I am telling you all this because no one has said it like this before. On the day of Diwali, I am telling you that we are going to light lamps and celebrate happiness in our hearts.

By this we can see what kind of a person one is – is he a person who steals?

As of now too, I can see people fighting with each other. Quarrels amongst Hindus and Muslims are over now but fighting with others has started. That is the second thing- we are quarrelsome too. At least in the other countries there are not as many religions as we have. So whenever we get a chance, we start fighting, fighting is the priority. Fighting between husband and wife and then their children and then if they have someone else with them they will fight with them too. What is Sahaja Yoga? Sahaja Yoga is love and only love. Awaken the power of love which is within us. Today is a very auspicious day and we have to light the lamps in our heart and take up the resolution that we may die



but we won't lie. We had great people over here but still Indians are very ill-famed the world over as being very dishonest. Though I have never seen one of this kind but whenever I hear of it, I feel very sad. India is such a holy place where such great saints have taken their birth, that didn't happen anywhere else in the world. Sufis were born here, who became so great, all of them were born in India. So many great saints were not born anywhere else in the world. A couple of them must have been born there but the ones who were born in India were very great saints and after that *whatever* they had taught were all given up. We have become notorious thieves. *Whoever* commits theft, can never go to Heaven. You will have to spend a thousand times *more* in the Hell than the life span spent here.

Today I am talking about hell because hell means darkness and we are seeing the spell of darkness everywhere- that of hell. Now, that your lights are lit, try to see who all are *in*? hell. You support the Government by exposing the dishonest. You may be holding a junior or a senior position still you have to expose the one who is a thief and corrupt. Now you have got the powers- what is it for? You have been awakened now- what is it for? You have got enlightenment. You see yourself in its light. You have seen nothing in the darkness but see in your light, what you are, and what are you going to achieve by telling lies? We are family people, we never lie- never- and we can't even lie. Whenever the situation to lie arises- don't forget that you have the powers, you are the lights, You see, you are the light in this darkness and keep the lights burning. We have to end this darkness. We have a bad reputation for our dishonesty. There is no country as great as ours, yet it is very sad to know that the people outside have misunderstood us. It is not known what these people achieve by their dishonesty. What they will get will be horrible! No one will be spared! Whoever is dishonest will be caught and there are arrangements made for it. You have got realization because you are not dishonest, you love truthfulness and respect it. I want you all to stand for truth.

The people who are throwing clutter in “Jamunaji (river) are fools. “Jamunaji” goes straight down to Hell. But you will be saved from that Hell. You are realized souls. The one who is enlightened never falls. But if you really want to establish Sahaja Yoga fully within yourself then you have to first of all decide never to be dishonest in any way. Earning money is the only business left in this world! What happens with that? Nobody will even remember them. You have to be truthful if at all you love your country. Otherwise who is going to believe in a liar's love!

It is a very tough situation for you when you see that your neighbour is of such a type and you think that you too should become like that. On the contrary why don't you think that we are like this and why not that neighbour too be made like us.

First of all you should promise that you will never be dishonest nor support any dishonest doers. It is not known- the thriving of liars is a curse of our country! There are many people who will tell at least ten lies from morning till evening, still it won't be enough for them.

Now that your poverty has perished, all is well, you have everything to eat and drink and you are not a beggar any more, then why do you have to lie? So on this day, take this resolution – we are not going to lie and if anyone is a liar then we are not going to support that person, we are not going to establish any connection with him. There is a lot of peace and happiness in this. You know a liar will go to Hell and you too, if you support him, you will go following him. God has given you realization, you have been enlightened within. See, in that light, if there are other people like you, you should take a resolution that you will never tell lies-let our heads be cut off, whatever it may be.

In this matter the Indians are very much better, I know, but when I hear about them outside then I feel very sad about it. Now, the way these roads are made, are they roads in any sense?

I felt as if we were going through some forests. You have an organization so whenever you see such a thing, you can call for any enquiry- who made such type of road? Why he made? Who ate up the money? All the Sahaja yogis should get united and try to drive this bhoot (possession) out of our country. *Wherever* we go people say, ” Don't believe the Indians” How shameful this is! The people who should be trusted the most are – we Indians. We have had such great leaders, great saints and

great souls over here but we don't think of the name and fame they had, how much people respected them and they respect you too, but don't support the thieves. If you know that a particular person is a thief then you don't go to his place to *eat*, this would become difficult for the thieves. I am telling you – you are the police force of the Divine and you try to keep a note of all the thieves whom you come across. Try to *inculcate/instill*? this courage in your children too. Try to find out about the people who are wrong doers and liars. This country of ours has been awakened by a number of saints and you all are also saints. There is no need for you to tell lies, what will happen if you get food only once a day? No one dies if he doesn't eat. We people are getting to eat and drink but on the top of it, we want to drink liquor.

Secondly on drinking liquor we can hardly walk even a step. On the contrary we get destroyed. We cannot live well upon the addiction of liquor. Now, for example in America, they have taken out a new issue, that when a child turns 16 years of age then he will earn for himself. This means that all are servants. They are given money for *whatever* work they do – washing vehicles. And at the age of 16 what they say, "Sir *you(?)* are 16 years of age and now you go out" I have seen everywhere, these poor children who are 16 years of age, we think, that he is just now turning 16 where will he go? What about education? He is of 16 years now! He is thrown out of his house. He is driven out of the house, both by his father and mother. How long will this continue with the Americans, you just see. They are getting ruined. By buying one or two aeroplanes, nobody becomes great. Where are you? What is your capacity?

India is such a country which can serve the whole world – the whole world. But for that, there should be truthfulness in it. Where is the need for falsehood, I can't understand! Most of the people who are rich should first of all know that you are rich, sit quietly now and don't think of earning more. I didn't see anyone who became happier *through* earning more. You are a Sahaja Yogi and you have the light in you. You can see your path in this light and the path is of truth. You may be a Muslim, may be a Hindu or may be a Christian- it makes no difference. You are all human beings. And if human beings do not have honesty in them then they are dishonest. He won't be known to anyone. We have life beyond this too, how would that be? There are many benefits of being honest. The greatest of all is that you have the blessing of God with you. You have the kind of blessings that you will be surprised to know. Without any efforts all your things are set in order. But now in India, whatever the condition of the people – they may have, they may not have, all run after money. There are still many more poor people and so it should be Diwali celebrations for them also today. They too should be happy. We live in the same country. But we deceive ourselves. We are very clever. By this we become egoistic inside. And by becoming egoistic nobody can save you in any way. Under the influence of your ego you can get cancer. Then you can't save yourself. If you have cancer within you then you cannot save yourself. I too cannot save you. I am telling you the fact.

Firstly burn your ego in the fire. If you have an ego then you should be ashamed of it. For what are you having ego? In our country it is for everything. If someone has done a BA he gets egoistic and if he does something more than that, he gets a double ego. If someone has achieved something, if he becomes an engineer or a doctor then he becomes egoistic. When his Agnya chakra gets caught *up* where will it take you straight to? To Hell and hell is a very horrible place. God has given you intelligence and now you have got your realization. And even after that if you want to go to hell you can go. Till today nobody has spoken of this.

Today is an auspicious day, because many things took place on this day. Sitaji returned during the period of "Ramchandraji", whatever great deeds were done during the period of "Krishnaji" were done by people who were realized souls. So the first thing that you decide for sure is that we won't do any dishonest deed at the same time if anyone else does then we will get him exposed. But I am seeing in this country that the whites are fighting the blacks, *someone* is fighting with someone else. They want the country of India to be separated which is not going to be beneficial at all. How can it be beneficial when you are honest and when you have a good character!

Whatever we have learnt from the English people, there is nothing worth learning from them. They are all in a very bad state now. But we have to save our own country and save the whole world. It is a great responsibility; you have been given realization, you have been enlightened, still if you want to fall in the ditch then what can anyone do? Everyone should come together and try. I want the Sahaja Yogis to form a committee and if you come across any theft then it should be brought to the notice of the committee and then see, what the committee does. In this way you will get fame and you will reach to a very high position. So the first thing would be that neither should you be dishonest nor let others to be dishonest. This is very important. Your country has been blemished. In the oil there is adulteration then in the Ghee there is adulteration.

Where ever we see, people are laughing at us. No one believes but actually the best of people are in India. The number of people who have got their realization is more than anywhere else in the world. They have not earned any virtue. So it is better to earn virtue than to earn money. See the people who are very poor. So this day is a very auspicious day and also a very joyful day. Why joyful? Because today we have got heaven and we want to stay in heaven alone. But *cowardly* people cannot enter the Heaven. There is no need to be afraid. If you get a couple of rupees more or less which disaster is going to befall upon you? All have become rich. I have been seeing. I have been coming here for the past 17-18 years now. You have become richer than before. The situation is better than before. But from morning to evening there is dishonesty, dishonesty and dishonesty. So the path has been made. So, today just promise – that, we are not going to be dishonest and if anybody is, then we all will unitedly oppose.

Why have you been given Sahaja Yoga? Why have you been given realization? So that you can spread light, if you have no light internally then how can you spread light outside? And with that light you see, you are helping the dishonest? Nothing will happen if you earn a little less or more. If you are honest then God will help you! Why are so many people dying in our country? *Nowhere* else they die, so many of them. The reason is that they have to go to Hell. So, you have to know this that if you are dishonest then your first step to Hell is already over and then the second step of telling lies will not be necessary. You tell the truth. The person who will tell the truth would be a unique person. If he is a Sahaja Yogi then it would be the best. The way people are remembering the sufis, the same way people are going to remember you. You don't have to do anything. Just catch hold of those who are dishonest -it is very much necessary. Here people are fighting to stop the rubbish from being thrown into Jamunaji- this too needs to be told! I have been to so many countries! nobody throws waste into the river. Why are you so lazy? There are so many facilities over here. You can give the waste to the Municipality. Dispose somewhere, but if you yourself throw waste then what can one do?

Today all of you decide in your mind and take a resolution – it is a very auspicious day today, very auspicious day, that “We won't do any dishonest deed nor will we believe in dishonesty”. I have seen people who were neither dishonest nor did they go to the house of people who were dishonest. They had nothing to do with them because they were concerned not only about their own welfare but also the welfare of the whole country. So you are a Sahaja Yogi, so you need to make a promise that we are not going to do anything dishonest. You just recognise a person who is dishonest and then tell your inner soul that he is dishonest. And, Sahaja Yogis, even if twelve- Sahaja Yogis come together and if they come to know that he is dishonest then the Divine will be there to support. This country won't benefit by a few rich people, but it will definitely benefit by honest people.

The greatest stigma that has been put on us is that we are dishonest. Those who are Sahaja Yogis can never be dishonest. We all have to be united, leaving aside all quarrels and assumptions that we are honest people. India's image is very much tarnished, hence take a vow today that *from* now onwards we shall not be dishonest and if there are any dishonest people we shall all get after him. But this has increased too much. I am astonished at the level of dishonesty, dishonesty in everything, dishonesty in everything. Earlier they used to outcast on every minor issue and they used to separate themselves for even very minor things. But our country was so honest, it had such nice qualities. Have we forgotten

them? Where have they gone? I can see dishonesty everywhere, dishonesty at every step. We have to teach the children that they should not be dishonest. Yes, if they are dying with hunger, then arrangements can be made for that too, but only if he is honest. If you are not honest then nobody can help you, not even God. He will get all kinds of diseases of the world. There are many such traditions in our country – they will drink liquor, drink wine. Tell me, have you come here to become a fool? And don't be a friend of one who does it. Don't help them. I have seen people who go to the houses of people who drink liquor, then they too start taking liquor.

But when you know that a person is of such a character, when you know that he is dishonest, then, stop eating at his place. You have nothing to do with him. We have to work for the well being of our country because God has given us light. See in that light. His power is tremendous. If you decide that, those who are dishonest to the nation will be taken care by God, then that alone is enough. But you are turning deaf. You are not able to understand. Such a person can never do any good deed; nor can he ever give. I cannot understand how they live so shamelessly.

So, that is why today's message is that you have to take a vow that we are not going to be dishonest in any way and if anyone is dishonest then we are not going to support him. That is enough. Many more realized souls will come to our country. But who would like to come to such a dishonest country?

So today the only message is that you have light and if you walk in that light, it will give you strength. You can do whatever you want to do. Look, we have achieved our “Swatantra”. “Swatantra” is the mechanism of understanding oneself. Now I want a lot of realized children to be born, so learn that it is a very great day today, take a vow today that neither will we be dishonest nor support the dishonest. Not even be scared of them; God is not with them at all. God is with you. If you are good then God is with you. All the people had taken birth on this very land of India not for the sake of fighting, dying amongst yourselves, great fools! We are fighting, dying, there is no benefit in fighting, tell the people. “Oh! why are you fighting? What do you want? After all you have nice things to eat and drink, what more do you want?” But nowadays what is most prevalent is that, we want such and such clothes, we want such type of a house and we don't have that, with all that we will only go to hell. In those times there were many who were sufis, like them you are all sufis, because you are all cleansed. Now all of you write the poem of honesty. This dishonesty has got to go, that is the first thing and secondly there are many issues which need to be corrected. But see, first of all don't *do/follow*? dishonesty. No one is so poor in India that we have to resort to dishonesty.

I am saying that our country is tarnished. *This* needs to be wiped off. You are Sahaja Yogis and you can do it. You have light, with this light you can spread the light everywhere and give courage to all, that it's alright. Particularly those of you who are young, who are friends have to think what all honest deeds you can do. Now they have started – don't throw rubbish into “Jamunaji”. That is alright but it is not so important. What is important is to get rid of dishonesty. That is why this day is considered auspicious everywhere. Lamps are lit all around. In spite of everything if we can't do this then what is the benefit of Sahaja Yoga?

The largest number of Sahaja yogis are in India. Then comes Russia. Now, the Russian people are very polite. They do no commit any robberies. I don't know why? May be if communism comes to India then we too might become like them; but that is not a very great thing. If somebody does something out of compulsion then it is not good. Decide that we should be powerful ourselves.

Today you decide, today is a very auspicious day – that neither will you be dishonest nor let others be dishonest. Your country will then prosper a lot. I have seen what other countries are and how its people are- all are useless people. But the people of our country are still religiously bent. Religiousness will perish in our country if these dishonest people become so powerful. So the only message is that neither will we be dishonest nor will we allow others to do so. But the people here are very tolerant in this matter. They tolerate, this is their greatest mistake. When you have got the light, why are you scared? What is the need for you to be afraid?



That is why I am requesting you today, be courageous and now one kind of liberation has been achieved. You will achieve “swatantra” , the “tantra” (Mechanism) of “swa”(Oneself), you have achieved it. But make use of it. Today, you are so many people gathered here. I have never seen so many in Delhi. So, today you all decide within yourself that you are not going to believe any dishonest people and all the devils take birth for this very reason that we have something in us which makes them think that we will believe them. Indians should never believe and the ones who are realized should never at all. There is one great aspersion on our country everywhere which is not true. India has many people who are honest – many and this aspersion is not true. I have also seen people fight over land, that this land is ours and that land is yours. Whatever you have is swaraja, kingdom of oneself – one's own kingdom. You will have kingdom of your own when you would become swatantra in the true sense. There is no need to fear anyone- – no need to tell anyone.

I am surprised to see so many people. I had never seen so many people in *Delhi*. So, my only request to you on this auspicious day is that we should decide, we should never be dishonest, even if we have to die. Our country has deteriorated in the last ten years. You are so many Sahaja yogis. What are you afraid of? What is the issue to be scared of? The Divine is there behind everyone. When the Sufis came to know that the divine was there with them they got rid of all unwanted things from this world. Not all sufis but a few did. So you all have to do it. So the message for today is that you yourself should never be a thief nor support any thief.

But I am seeing people fighting on more and more issues, fighting on issues of caste and religion. Are you here to save the country or to get drowned? You have a great responsibility. You have been born in Kaliyuga. This kaliyuga has to be changed and that is why so many thousands of you are realized. So many people were never realized anywhere else in the world. That is why I am requesting you again and again that always stand on Truth and I will be there with you. God is also with you. So the request to you all is to firmly decide within yourself that we are not going to allow any theft, robberies and *wherever* we find them we will fight it. But the people seem to be drunk or what? What did they achieve from this light?

Courage. Fight with courage. *Whatever* is wrong should be removed from this country. It is very tarnished, still there are many more issues but the most important one is that if there is no honesty then how can God help you? Earning money is of no use to God. But getting your religion is and that you have achieved.

There are not so many Sahaja yogis in this world and then Sahaja yogis don't do such deeds. But I am telling you all this because the atmosphere here is very bad and we people have such a bad name everywhere. You have everything to eat and drink, clothes to dress, what else do you want? You watch movies, you do have that much money. But the addiction for money which is there should be got rid off.

I have full hope that you will heed my words. So we should take a vow that we will not be dishonest and we would oppose the people who are dishonest. Understand that the greatest thing that our country needs today is honesty. There is nothing greater than that. Honesty is your mother. So what if you have one shirt in the place of ten? Tell the ladies also the same thing. It will happen. It will take place.

Today's speech is a little different, it is unique and it is very gracious of you all to have liked it.

Thank you.

# MARATHI TRANSLATION

## (Hindi Talk)

आपल्या सर्वांना दिवाळीच्या शुभेच्छा !

हे जे आपण वेगवेगळे नृत्याचे प्रकार आता बघितले त्यातून सर्वांनी एक गोष्ट लक्षात घेतली पाहिजे, की हे जे कोणी होते, ज्यांनी हे लिहीले, सांगितले आहे ते सर्व एकच गोष्ट सांगत आहेत. आणि सर्वात महत्वाची गोष्ट म्हणजे परमेश्वर एकच आहे हेच सर्वांनी सांगितले आहे. त्यांनी वेगवेगळे अवतार घेतले असले तरी परमेश्वर हा एकच आहे.

त्यांच्यामध्ये एकमेकात काही मतभेद नाहीत, भांडणे नाहीत; ते या सृष्टीवर दुष्ट लोकांचा नाश करण्यासाठी, वाईट लोकांना नष्ट करण्यासाठी अवतार घेतात. सर्व ठिकाणी होत आहे. मी पाहते आहे, की जे दुष्ट लोक आहेत ते उघडे पडत आहेत, आता सर्वत्र हे घडत आहे. आपल्या सर्वांचे काम हे आहे, की त्यांना बाजूला करा. जे दुष्ट आहेत, वाईट आहेत पैसे मिळविण्यासाठी काहीही करतात असे सर्वजण नरकात जाणार. आम्हाला माहीत नाही की किती नरक आहेत. आता ज्या वातावरणात आपण बसला आहात, ज्या जागेवर बसला आहात, याचा नरकाशी काहीही संबंध नाही. पण आपण यात राहून अधर्मासारखे वागाल, चुकीचे काम कराल तर आपणसुद्धा नरकात जाल. खूप वेगवेगळ्या प्रकारचे नरक आहेत आणि तिथपर्यंत पोहचण्याची व्यवस्था देखील खूप चांगली ठेवली आहे. कारण त्यामुळे तिथे जाणाऱ्यांना माहीत नसते, की आपण कोठे चाललो आहोत. जे उरतात ते स्वर्गात जातात. या पृथ्वीवरील कोणाला माहीत नाही, की वाईट काम करणाऱ्या सर्वांना नरकात जावे लागते.

दिवाळीचा अर्थच हा आहे, की आपण जसे बाहेर दिवे लावतो तसे आपल्या सर्वांच्यात देखील ते प्रज्वलित झाले पाहिजेत. आपल्याला माहीत आहे, की या अंधःकारातील वातावरणात आपण सर्वजण प्रकाश आहात, दिवे आहात. आपल्याला प्रकाश पसरावयाचा आहे. पण जर आपला आतला प्रकाशच कमी असेल तर आपण बाहेरच्यांना कसा प्रकाश देऊ शकाल? याचा आपण विचार करा. तर पहिल्यांदा आपण सहजयोग्यांनी लक्षात घेतले पाहिजे, की आपला आतला प्रकाश जागृत ठेवा. यासाठीच कदाचित आपण या सृष्टीत आलो असू. इसामसीहपर्यंत याबाबत कोणीही बोलत नव्हते. ते आज्ञा चक्रावर आले. त्यांनी आपल्या सर्वांना दाखवून दिले, की त्यांच्यात कोणत्याही प्रकारचा अहंकार नव्हता. ते परमेश्वराचे पुत्र होते, तरी अहंकार नव्हता. त्यांच्या आधीच्या लोकांनी थोडेफार सांगितले, पण इसामसीहांनी आपल्या सर्वांचे आज्ञा चक्र ठीक व्हावे यासाठी अवतार घेतला होता.

या दिल्लीत आज्ञा चक्र खूप पकडते. याचे कारण काय? तर पूर्वी इंग्रज इथे वास्तव्य करत होते. त्यांनी आपल्याला अहंकार, घमेंड करायला शिकवले. आपल्याला माहीत आहे, की आम्ही ते दिवस देखील पाहिले आहेत, की जेव्हा भारत पारतंत्र्यात होता. त्या पारतंत्र्यातून आपण सर्वजण बाहेर आलो आहोत. आपण सर्वजण स्वतंत्र झालो आहोत. स्वातंत्र्य काय आहे? 'स्व' ला ओळखणे. ज्यांनी 'स्व' ला ओळखले, त्यांनी 'स्व'च्या तंत्राला जाणले. सहजयोगात आपण स्वतःला ओळखले असून आपल्याला माहीत आहे, की आपण स्वतंत्र आहोत आणि आपल्याला 'स्व' च्या तंत्राने चालायचे आहे. दिल्लीत खूप काम झाले आहे, हे दिसते आहे. दिल्लीच्या बाहेरदेखील खूप काम झाले आहे. इथल्या लोकांच्यात जो दोष आहे तो तुम्हा सर्वांना माहीत आहे. मला सांगण्याची आवश्यकता नाही. पण आपण आता



स्वतंत्र झालो आहोत तर आपण हे पाहिले पाहिजे, की आपल्यात तर हा दोष नाही ना? पहिला दोष म्हणजे आपल्या आज्ञा चक्रावर पकड येत आहे. ईसामसीह सुळावर चढले पण आपण त्यांच्याकडून काही शिकलो नाही. उलट जे ईसाई देश आहेत त्याठिकाणी जास्तच अहंकार आहे. त्याचा प्रभाव आपल्यावर देखील खूप होता. पण इथे सर्वात वाईट गोष्ट ही आहे की, आपण एकमेकांना ओळखले नाही. सगळीकडे भांडणे, मारामार्या, एकमेकांच्या मनात द्वेष, अशुद्ध मन. पहिली गोष्ट म्हणजे सर्वांनी आपली मने स्वच्छ केली पाहिजेत. सहजयोगात हे सर्व शक्य आहे. कुठल्या कुठे लोक पोहचू शकतात. कोणालाही हिमालयात जाऊन बसण्याची आवश्यकता नाही. या दिल्लीत बसून तुम्ही मिळवू शकता. पण आपण चोहीकडे बघितले, तर सर्वत्र अहंकारी लोक आहेत. मोठ्या प्रमाणावर आज्ञा चक्र पकडले आहे. त्यामुळे अवघड आहे. आता परमेश्वराने एक नवीन गोष्ट पाठविली आहे, ती म्हणजे कॅन्सर. जर आपल्याला कॅन्सर झाला आणि आपले आज्ञा चक्र पकडले असेल, तर ते ठीक होणे मोठे संकट आहे. त्यामुळे ज्यांना कॅन्सर झाला आहे, त्यांनी सहजयोगात येऊन जर आपला अहंकार आहे तो काढून टाकला, म्हणजे ते ठीक होतील. ज्या ठिकाणी सरकार आहे त्या ठिकाणी अहंकार येतो. आपल्याकडे मोठ्या प्रमाणावर शासकिय कर्मचारी असल्याने त्यांच्यात मोठ्या प्रमाणावर अहंकार आहे. यापेक्षा जे बाहेरच्या देशातून आले आहेत ते इथल्यापेक्षा जास्त अहंकारी आहेत. ते दारू पितात. जरा विचार करा ईसाई म्हणवून घेता आणि शिवाय दारू पिता. दारू पिणे म्हणजे स्वतः स्वतःच्या विरुद्ध जाणे. आपण आपले आज्ञा चक्र खराब करतो. त्यामुळे आज्ञा चक्राचा मान ठेवला जात नाही. ज्याचे आज्ञा चक्र ठीक झाले असेल तो कधीही दारू पिणार नाही.

आपण इकडे तिकडे पहाल तर लोक दारू घेणारे दिसतील. पण त्यांना बाहेर पडण्याचा कोणता मार्ग त्यांना सापडत नाही. कारण त्यासाठी सुद्धा ते दारूच पितात. कोणतेही व्यसन हे माणसाला गुलाम करते. कोणतेही व्यसन. इकडे लोकांना तंबाखू टाकून पान खाण्याचे व्यसन आहे. मला सांगा परमेश्वराने आपल्याला इतक्या प्रेमाने बनवले आहे, ते कशासाठी? आपण या जगातील साऱ्या देशांपेक्षा वेगळे आहात. भारतीय आहात. आपल्याकडे दोन-चार रोग मी जास्त पाहते आहे. त्यातील एक म्हणजे जेवणाच्या ठिकाणी पैसा खाणे. मी आता ज्या रस्त्याने आले मला खूप वाईट वाटले त्याठिकाणी पूर्वी रस्ता नव्हता. आता नव्याने रस्ता केला आहे. पण कोणीही म्हणणार नाही, की हा नवीन रस्ता झाला आहे म्हणून. हे सर्व हिंदुस्थानीच करू शकतात. इतके बेशरम लोक मी जगात कुठेही पाहिले नाहीत. मोठ्या पेक्षा मोठे हे काम करू शकतात. आज सर्वांनी निश्चय केला पाहिजे, की सर्वप्रथम आपले आज्ञा चक्र ठीक केले पाहिजे. आज्ञा चक्र पकडलेला स्वतःला जगाचा कारभार मी चालवतो असे समजत असतो. साऱ्या जगाला मी ठीक करू शकतो असे समजत असतो. वास्तविक तो स्वतःच ठीक नसतो, तर दुसऱ्याला काय ठीक करणार? आपण असे अनेक लोक पाहिले असतील, की ते स्वतःला फार मोठे समजतात आणि प्रत्यक्षात फार वाईट काम करीत असतात. या देशात लोक पैसे खातात. मला सांगा परमेश्वर यांना माफ करेल का? सर्वात मोठा गुन्हा म्हणजे चोरी करणे आणि पैसे खाणे. जो अशा प्रकारचे वाईट काम करीत असेल तर त्याने जरी पूजा केली, वाचन केले, पाठ केले, नमाज पढले, अल्लाहाला आवाज दिला तरी काहीही उपयोग होणार नाही. आज आपल्या नवीन वर्षाची सुरवात होत आहे. आपल्या सर्वांना नवीन वर्षाच्या शुभेच्छा. माझी अशी इच्छा आहे, की आपण सर्व लोक आजपासून खोटे बोलणार नाही, कधीही खोटे बोलणार नाही. मी जगभर फिरले आहे. हिंदुस्थानी खोटे बोलण्यामध्ये प्रसिद्ध आहेत. आपल्यावर खोटारडे म्हणून ठप्पा लागला आहे. आपल्याकडे कितीतरी मोठे संत साधू होऊन गेलेत. ज्या ठिकाणी सुफीसारखे लोक झालेत त्या ठिकाणी खोटे का बोलता? तर आपण सर्वांनी आज शपथ घेतली पाहिजे, की आजपासून आम्ही खोटे बोलणार नाही. काही

झाले तरी खोटे बोलणार नाही. त्यासाठी हिम्मत पाहिजे. आपण तर पार झालेले आहात, त्यामुळे आणखी काय हिम्मत पाहिजे? आपण खोटे बोलू शकत नाही. जर तुम्ही असे झालात तर लोक तुमच्यावर विश्वास ठेवतील, की तुम्ही खरे आहात.

सहजयोग्यांनी खरे वागले पाहिजे. आपण जरी मोठे व्यवसायिक असाल, इंजिनीअर असाल, रस्ते तयार करणारे ठेकेदार असाल, डॉक्टर असून सर्वांवर उपचार करीत असाल तरी आपल्यासाठी हा नरक ठरू शकतो. तेव्हा पार झालेले जर खोटे बोलू लागले, तर त्यांना काहीही फायदा होणार नाही. आपल्या देशाबाबत बाहेर जे बोलतात, की आपल्याकडील लोक फार खोटेरडे, फसवे, पैसे खाणारे आहेत ते ऐकल्यावर मला फार वाईट वाटते. आज फार शुभ दिवस आहे. तेव्हा सर्वांनी निश्चय केला पाहिजे की, आजपासून आम्ही खोटे बोलणार नाही. काही झाले तरी. आम्ही स्वतः कधी खोटे बोलत नाही. खोटे बोलण्याने स्वतःचेच नुकसान होते. खोटे काम केल्याने आपलेच नुकसान होते. अशा खोटेरडे फसवेगिरी करून कितीही पैसा कमवला तरी आपण स्वर्गात जाऊ शकणार नाही. आपण नरकातच जाल.

सर्वांनी जाणून घेतले पाहिजे, की जगात आपल्या देशाची खूपच बदनामी झाली आहे. ही बदनामी का झाली? कारण आपल्याकडे असे वाईट लोक आहेत. आपण एक संस्था तयार करा. आपल्याला समजले, की हा खोटा आहे, तर आपण त्याला जाब विचारा की, 'साहेब, याचा अर्थ काय?' जसे हा रस्ता ठीक बनविला नाही तर तुम्ही माहिती मिळवा की, किती पैसे खर्च झाले आणि यात कोणी किती पैसे खाल्ले? पैसे खाणारे दारूच पिणार. दारू तर आपली दुश्मन आहे.

आपल्या सर्वांची अवस्था चांगली आहे. खूप देशात गरीब लोक आहेत. मी पाहिले आहे, की ते प्रामाणिक आहेत. सर्वात प्रथम प्रामाणिकपणा पाहिजे. आज सर्वांनी निश्चय केला पाहिजे, की मी कोणाशी बेईमानी करणार नाही आणि बेईमानी करणाऱ्यांना साथ देणार नाही. कोणी तसे केले तर त्याला उघडे पाडू. आता काही जण म्हणतील की, पोलिस सुद्धा असे आहेत, तसे आहेत. पण तुम्ही लक्षात ठेवले पाहिजे, की तुम्ही सहजयोगी आहात. सहजयोगी हे कोणत्याही पोलिस अधिकाऱ्यापेक्षा कमी नाही. सहजयोग्यांत फार शक्ती आहे. सर्व शक्ती प्रामाणिकपणाची आहे. प्रामाणिक असलेच पाहिजे. मी खूप खुश आहे. कारण खूप सहजयोगी प्रामाणिक आहेत. सच्चे आहेत. आपल्याला आणखी प्रामाणिक सहजयोग्यांची आवश्यकता आहे. प्रामाणिकपणा अतिशय आवश्यक आहे. नाहीतर आपले आज्ञा चक्र सुटू शकणार नाही. अहंकारामुळे आज्ञेवर पकड येते. एकदा अहंकार आला, की तो कोणतीही मोठी चूक करू शकतो, वाईट वागू शकतो. दुसऱ्याचे नुकसान करू शकतो. पैसा खाऊ शकतो. त्यामुळे तो शेवटी नरकात जातो.

मी आपल्याला सांगते, की आपण पैसे खाता कामा नये. त्यामुळे आपण काही मरत नाही. जास्त पैसे जमवून काय करणार? दोन चार ठिकाणी घरे घ्याल. उजेड पाडाल. दोन चार बायका ठेवाल. त्यामुळे काय? पण आपण जेव्हा नरकात जाल त्या ठिकाणी आपले फार हाल होतील. आजच्या या दिवाळीच्या दिवशी मी हे सांगते आहे. कारण आजच्या या दिवशी सीतामाई प्रभू रामचंद्राकडे परत आल्या. ज्यावेळी आपल्यात चारित्र्य येईल, त्यावेळी आपण (वाईट सवयीच्या) गुलामीत राहू शकणार नाही. आपण स्वतःचेच गुलाम आहात. दुसऱ्यांचे नाही. नंतर आपण कोणत्याही गोष्टीसाठी खोटे बोलणार नाहीत. आम्ही दिल्लीत खूप दिवसांपासून राहिलो आहोत. आम्ही हैराण झालो आहोत, की लोक किती खोटे बोलतात म्हणून! बाप रे बाप, त्यांना भीती वाटत नाही! सफाईदारपणे खोटे बोलणे. त्यामुळे, मला माहीत नाही, कदाचित त्यांना फायदा होत असेलही. काही रुपये पैसे मिळतदेखील असतील. पण त्यामुळे ते कधीही स्वर्गात जाणार नाहीत. माझी अशी इच्छा आहे की, सहजयोग्यांनी आज शपथ घेतली पाहिजे की, आजपासून

मी कधीही खोटे बोलणार नाही आणि कधी खोटे बोलणाऱ्यांना मदत करणार नाही.

बाहेरच्या देशातील लोक आपल्या लोकांना 'बेइमान लोक आहेत' असे म्हणतात. मी खूप जग पाहिले आहे. सर्वात मला रशियाचे लोक आवडतात. खूप चांगले सहजयोगी आहेत. मी रशियाला या वर्षीदेखील जाऊ शकले नाही. पुढच्या वर्षी जाणार आहे. पण याचा अर्थ हा नाही, की आम्ही लोकशाही रुजवू शकलो नाही. त्यांचे पाहिल्यावर आपल्याला सुद्धा कम्युनिस्ट व्हायला हवे असे वाटते. तिकडे चोरी, लबाडी, खोटे बोलणे अजिबात नाही. सर्वकाही प्रेमाने. खूप प्रेम. मला पण खूप मानतात. आपल्याला समजले पाहिजे, की आपण कुठे चाललो आहोत. दोन चार पैशासाठी आपण कुठे चाललो आहोत? त्यापासून आपण काय मिळवणार आहोत? तर पहिल्यांदा आपल्याजवळ प्रामाणिकपणा असायला हवा. तुमच्या फसवेगिरीमुळे तुमच्याच लोकांना त्रास होतो.

हिंदुस्थानी लोकांना बेइमान लोक आहेत, असे म्हणतात, हे ऐकून मला लाज वाटते. तुमच्याकडे कितीतरी संत झाले, महान योगी झाले, तरी या ठिकाणी फार चोर लोक असून चोऱ्या करतात? वाईट वागतात? ह्या अगोदर आपली आज्ञा घाबरली आहे. मोठे श्रीमंत झाले. शेवटी पहा. हे वाईट वागून मोठे झालेले सर्व जण आता नरकाकडे चाललेले पहायला मिळतात. मी आपल्याला आज दिवाळीच्या दिवशी सांगते की, नरक म्हणजे अंधःकार आणि तुम्ही प्रकाश झाला आहात. आता तुम्ही ज्या ज्या ठिकाणी अंधःकार - अंधार आहे त्याच्या विरुद्ध उभे रहा. त्यांना सांगा हे सर्व वाईट आहे. त्यामुळे आपला देश सुधारेल. पूजा - पाठ आपण करीत आहोतच. पण आपल्या आतील शक्ती आहे. तिचा उपयोग असत्याच्या विरोधात करा. खूप लोकांना माहीत नाही, की पैसे मिळवणे हा रोग आहे. ते सर्व नरकात जाणार. मी आपल्याला हे यासाठी सांगते. कारण यापूर्वी याबाबत कोणी हे सांगितलेले नाही. दिवाळीच्या दिवशी मी आपल्याला सांगते की, आपण आनंद साजरा करू, दिवे लावू आपल्या हृदयात. त्या दिव्यांमुळे आपल्या लक्षात येईल, की कोण कसे आहे, कोण चोर आहेत. आता मी एक दुसऱ्यांची भांडणे पहाते. हिंदु -मुस्लिमांची लढाई आता नष्ट झाली आणि दुसऱ्या लोकांची सुरु झाली आणि दुसरी गोष्ट आम्ही खूप भांडखोर पण आहोत.

दुसऱ्या देशात इतके धर्म नाहीत. आपल्याकडे कोणत्याही कारणावरून भांडणे होतात. भांडणे पहिली. नवरा-बायकोत भांडणे, त्यांच्या मुलांमध्ये भांडणे, परत त्यांच्यात आणखी भांडणे. सहजयोग काय आहे? सहजयोगात प्रेम आहे. फक्त प्रेम. आपल्या आत जी प्रेमशक्ती आहे तिला जागृत करा. आजचा दिवस खूप शुभ आहे आणि आपल्याला आपल्या हृदयात दिवे लावायचे आहेत. आपण निश्चय केला पाहिजे, की आम्ही मेलो तरी खोटे बोलणार नाही. आपल्याकडे पूर्वी असे लोक झाले होते. आता आपले इतके नाव खराब झाले आहे की, हिंदुस्थानी बेइमान आहेत म्हणून. माझ्या पहाण्यात आले नाहीत, पण ऐकण्यात आले. त्यामुळे फार दुःख होते. आपल्या हिंदुस्थानसारखा दुसरा पवित्र देश नाही. ज्या ठिकाणी अनेक मोठमोठ्या संतांनी जन्म घेतला तेवढा दुसरीकडे कोठेही नाही. सुफी आहेत, या ठिकाणीच जन्मले. जेवढे महान लोक झाले ते सर्व हिंदुस्थानात झाले. त्यांच्या नंतरच्यांनी जे शिकवले त्यामुळे लोक चोर झाले, जे चोरी करतात ते कधी स्वर्गात जाणार नाहीत. या ठिकाणच्या जीवनापेक्षा जास्त काळ जीवन नरकात घालवावे लागेल. आजच्या दिवशी मी नरकाबाबत अशासाठी सांगते आहे, कारण नरक म्हणजे अंधार आहे. तो नरक मी पहाते आहे. आता आपले दिवे जागृत झालेत. त्यामुळे आपल्या लक्षात येईल, की कोण नरकात जाणार ते. आता तुम्ही सरकारला मदत करा. त्यांना बेइमान लोकांना पकडून द्या. खोटे बोलणाऱ्यांना पकडून द्या. आपण छोट्या पोजिशनवर असाल किंवा मोठ्या पोजिशनवर, आपण सांगून टाकले पाहिजे, की कोण चोर आहे. चोरांना पकडा, खोटे बोलणाऱ्यांना पकडा. आता तुमच्याजवळ शक्ती आहे ती कशासाठी? तुम्ही जागृत झालात, तुमच्यात प्रकाश जागृत

झाला तो कशासाठी. त्या प्रकाशात आपण स्वतःला पहा. अंधारात काही दिसणार नाही. पण प्रकाशात पहा की आपण कशासाठी आहोत? आणि खोटे बोलण्यापासून आपल्याला काय फायदा आहे? आम्ही संसारी आहोत आम्ही कधी खोटे बोलत नाही. कधीच नाही आणि बोलू शकत नाही. ज्यावेळी आपण खोटे बोलाल त्यावेळी आपली आतली प्रकाशाची शक्ती नष्ट होईल. आपण दिवे असल्याने या आजूबाजूच्या अंधारापेक्षा वेगळे आहात. आपल्या प्रकाशाने या अंधाराला नष्ट करावयाचे आहे.

आपल्या देशातील लोकांना जगभर बेईमान समजतात, पण आपल्या देशासारखे लोक कुठेच नाहीत, हे ऐकून खुप दुःख होते. किती चुकीचा आपल्याबद्दल समज झाला आहे म्हणून. हे लोक बेईमानी करून काय मिळवतात? त्यांचा शेवट भयंकर आहे. जेवढे बेईमान आहेत ते सर्व उघडे पडतील. त्याची व्यवस्था झाली आहे. आपण पार झालात. कारण आपण बेईमान नव्हता म्हणूनच. आपण पार झालेले सत्यावर प्रेम करता आणि सत्याचा आदर करता. माझी अशी इच्छा आहे, की आपण सत्याच्या बाजूला उभे राहिले पाहिजे. जसे यमुना नदीत लोक कचरा टाकतात. यमुना तर सरळ नरकातच उतरते, पण त्या नरकापासून तुम्ही वाचाल. कारण तुम्ही पार झाला आहात. ज्यांची जागृती झाली आहे ते घसरत नाही. पण जर आपल्याला खरोखर सहजयोगात आतमध्ये उतरायचे असेल तर प्रथम निश्चय करा की, काही झाले तरी बेईमानी करणार नाही. पैसे कमवणे हा या दुनियातला धंदा झाला आहे. त्यामुळे काय होते? कोणी पैसेवाल्याला लक्षात ठेवत नाहीत. जर आपले आपल्या देशावर प्रेम असेल तर प्रथम खरेपणा जोपासा. नाहीतर खोट्या माणसाच्या प्रेमाचा काय भरोसा? हे फार अवघड आहे. आपण पहाता की आपला शेजारी असा आहे तर आपण पण तसेच होऊ. पण आपण असा का विचार करीत नाही, की आमच्यासारखे आमच्या शेजाऱ्यांना तयार करू. आपण छोट्या पोझिशनवर असाल किंवा मोठ्या पोझिशनवर, आपण सांगून टाकले पाहिजे, की कोण चोर आहे. खोटे बोलणाऱ्याला पकडा, चोरांना पकडा. सर्वात प्रथम आज सर्वांनी शपथ घेतली पाहिजे, की आम्ही आजपासून बेईमानी करणार नाही आणि बेईमानांना प्रोत्साहन देणार नाही म्हणून. खोटारडेपणा हा आपल्या देशाला शाप आहे. खूप लोक सकाळपासून संध्याकाळपर्यंत कमीतकमी दहा वेळा तरी खोटे बोलतील. पण तरी त्यांचे पोट भरत नाही. आता आपली गरिबी दूर झाली आहे. सर्व काही ठीक चालले आहे. खाणे-पिणे सर्व ठीक आहे. आता तुम्ही भिकारी नाहीत. मग खोटे का बोलता? आजच्या दिवशी सर्वांनी निश्चय करा, की आम्ही खाटे बोलणार नाही आणि कोणी खोटे बोलणारा असला तर त्याला साथ देणार नाही. आमचा त्याच्याशी काहीही संबंध राहणार नाही. यातच खरा आनंद, सुख आहे. त्यामुळे खोटे लोक नरकात जातात आणि त्यांच्यामागे आपणसुद्धा जाल. आपल्याला परमेश्वराने जागृत केले आहे. आपल्या आतल्या प्रकाशाकडे पहा. तुमच्यासारख्या लोकांनी निश्चय केला पाहिजे, की काही झाले तरी, अगदी आमची मान कापली तरी, आम्ही कधी खोटे बोलणार नाही.

भारतात बरेच जण चांगले आहेत हे मला माहीत आहे. पण ज्यावेळी बाहेरच्या देशात मी आपल्या लोकांबद्दल वाईट ऐकते त्यावेळी फार दुःख होते. जसा हा जो रस्ता तयार केला आहे हा काय रस्ता आहे? मला तर वाटते, की आपण जंगलात चाललो आहोत. याबाबत आपल्याला काही समजले तर तुम्ही सर्वांनी त्याला जाब विचारा, की असा रस्ता कोणी बनविला? का बनविला? कोणी पैसे खाल्ले? तुम्ही सर्वजण एक होऊन भारतात घुसलेल्या या भुताला बाहेर काढा. कोठेही गेलो तर लोक म्हणतात, की हिंदुस्थानींवर विश्वास ठेवू नका. किती लाजिरवाणी गोष्ट आहे ही! ज्यांच्यावर सर्वात जास्त विश्वास ठेवायला हवा ते तर हिंदुस्थानीच आहेत. आपल्याकडे अनेक लिडर, महान आत्मा, महान लोक होऊन गेलेत. त्यांचे किती जगभर आज नाव आहे. त्यांना लोक कितीतरी मानतात. आपल्याला पण

मानतात हे मला माहीत आहे. पण तुम्ही चोरांबरोबर उभे राहू नका. जर आपल्या लक्षात आले, की हा माणूस चोर आहे तर त्याच्या घरी खाऊ नका. त्यामुळे चोर फार अडचणीत येतील.

मी आपल्याला सांगते की, तुम्ही सर्वजण परमेश्वराने नेमलेले पोलीस आहात. जेवढे चोर आपल्याला आढळतील त्यांच्या नोंदी ठेवा. यासाठी आपल्या मुलांच्यातदेखील हिम्मत तयार करा. जर कोणी वाईट काम करताना, खोटे बोलताना आपल्याला दिसले तर त्याची माहिती मिळवा. आपला देश मोठ मोठ्या संतांनी जागृत झाला आहे. त्यामुळे आपण सगळे संत आहात. तुम्हाला खोटे बोलण्याची आवश्यकताच नाही. एकवेळ जेवण मिळाले नाही तरी चालेल त्यामुळे काही कोणी मरत नाही. आपल्याला खाण्यापिण्यासाठी मिळत आहे, पण त्यावर दारू पितात, ज्यामुळे आपण नष्ट होऊन जाऊ. दारू घेतल्याने काही आपले चांगले होत नाही. अमेरिकेत नवीन गोष्ट सुरू झाली आहे. सोळा वर्षांचा मुलगा/मुलगी झाली, की त्यांना पालक सांगतात की तुम्ही आता घराबाहेर जा. मग ते नोकरासारखे गाड्या पुसून काम करून पैसे मिळवतात. मी तिकडे सगळीकडे ही सोळा वर्षांची गरीब मुले काम करतांना पहाते. आपल्याकडे मुले सोळा वर्षांची झाली तरी आपण त्यांना लहान समजतो. तो काय करणार? त्याला कसे जमणार? असा विचार करतो. त्याला या वयात आपल्याकडे कधीच घराबाहेर काढत नाही. अमेरिकेत मात्र आई-वडील दोघेही त्यांना घराबाहेर काढतात. अशा अमेरिकेन्सचे किती दिवस चालणार? तुम्ही पहाल ते नष्ट होत चालले आहेत. एकदोन विमाने घेण्याने कोणी मोठा होत नाही. आपण कोठे आहात? आमचा हिंदुस्थान असा देश आहे, की सान्या जगाला वाचवू शकतो. पण त्यासाठी आपल्याकडे खरेपणा आला पाहिजे. सगळीकडे खरेपणा, प्रत्येक गोष्टीत खरेपणा आला पाहिजे. मला हे कळत नाही, की खोटे वागण्याची आवश्यकताच काय?

आता जे श्रीमंत आहेत त्यांनी आता थांबले पाहिजे त्यांना आता आणखी कमवण्याची आवश्यकता नाही. जास्त पैसे मिळवलेले लोक, आजपर्यंत आनंदी झालेले मी पाहिले नाही. आपण सहजयोगी आहात. आपल्या आतमध्ये प्रकाश जागृत झाला आहे. त्या प्रकाशात आपल्याला आपला सत्याचा मार्ग दिसतो. जरी आपण हिंदू असलात, मुसलमान असलात, इसाई असलात तरी काही फरक पडत नाही. आपण सर्वजण मनुष्य आहात आणि जर माणसात प्रामाणिकपणा नसेल, तर तो बेईमान आहे. प्रामाणिकपणाचे अनेक फायदे आहेत. सर्वात मोठा म्हणजे परमेश्वराचे आपल्याला आशीर्वाद मिळतात. असे अशिर्वाद मिळतात, की सहजासहजी आपले सर्व ठीक होते. मात्र भारतातील लोक हे कसेही असले तरी सर्वजण पैशाच्याच मागे लागतात. तसेच अनेक गरीब पण आहेत. आज त्यांची सुद्धा दिवाळी साजरी झाली पाहिजे. ते सुद्धा आनंदी झाले पाहिजेत. आम्ही आमच्याच लोकांना धोका देतो. फार हुशार आहेत. यामुळे आपल्यात अहंकार येतो. त्यामुळे कोणीही वाचू शकत नाही. अहंकारामुळे कॅन्सर झाला तर तुम्ही वाचू शकत नाही. त्यावेळी मी सुद्धा वाचवू शकत नाही. तुम्हाला एक खरी गोष्ट सांगते, की सर्वात प्रथम आपला अहंकार आहे तो जाळून टाका, नष्ट करा. अहंकाराबाबत लाज वाटली पाहिजे. कोणत्या गोष्टीचा अहंकार आहे? आपल्या देशात तर कशाचाही अहंकार येऊ शकतो. एखाद्याने बी.ए. पास केले, की आला अहंकार. त्यापेक्षा जास्त शिकला, की आला जास्त अहंकार. डॉक्टर झाला की आला अहंकार, इंजिनीअर झाला की आला अहंकार. त्यामुळे आज चक्रावर पकड येऊन ते सर्व नरकात जातात. ती एक महाभयंकर जागा आहे. आपल्याला परमेश्वराने बुद्धी दिली असून तुम्ही सर्वजण पार झाला आहात. तरीदेखील तुम्हाला नरकात जावयाचे असेल तर खुशाल जा. आजपर्यंत हे कोणी सांगितले नाही. आजचा दिवस खूप शुभ आहे. खूप चांगले काम झाले. प्रभू रामचंद्रांच्या काळात सीताजी परत आल्या. अजून बरीच कामे झाली आहेत ती सर्व पार लोकांकडूनच झाली आहेत.



आज सर्वांनी निश्चय केला पाहिजे, की आजपासून बेईमानी कधी करणार नाही. जो कोणी करतांना दिसेल त्याला पकडून देऊ. मी पहाते या देशात काळ्यांचे-गोन्याबरोबर भांडण, आणखी कोणाचे तरी भांडण. भारतात एकमेकांपासून तोडून काही कोणाचा फायदा नाही होणार. त्यापेक्षा तुम्ही ज्यावेळी प्रामाणिक वागाल, तुमचे चारित्र्य चांगले असेल त्यावेळी ठीक होईल. इंग्रजांकडून काही शिकण्यासारखे नाही. आजकाल त्यांची अवस्था फार वाईट आहे. पण आपल्याला आपल्या देशाला वाचवायचे आहे. तसेच सर्व जगाला वाचवायचे आहे. आता तुमच्यावर फार मोठी जबाबदारी आहे. तुम्ही पार झाला आहात, तरी खड्ड्यात पडायचे असेल तर कोण काय करणार? माझी अशी इच्छा आहे, की सहजयोग्यांची एक कमिटी तयार झाली पाहिजे. ज्याठिकाणी आपल्याला चोरीची माहिती मिळाली, की कमिटीला सांगा. कमिटी सर्व ठीक करेल, त्यामुळे कमिटीचे नाव होईल. आपली पोजिशन वाढेल. सर्वात प्रथम तुम्ही बेईमानी करावयाची नाही. करणाऱ्याला करू द्यावयाची नाही, देशावर कलंक आहे. आपल्या देशात तेलात भेसळ, तुपात भेसळ, जिकडे पहाल तिकडे भेसळ. सगळीकडे लोक आपल्याला त्यामुळे हसतात.

कोणी आपल्यावर विश्वास ठेवत नाही. तसे पाहिले तर सर्वात चांगले लोक भारतात आहेत. इतके लोक दुसरीकडे पार नाही झाले. पैसे कमविण्यापेक्षा पुण्य कमवा. गरीब लोकांकडे पहा. आजचा दिवस फार आनंदाचा आहे. कारण आजच्या दिवशी आपल्याला स्वर्गाची प्राप्ती झाली आहे. आम्हा सर्वांना स्वर्गातच राहण्याची इच्छा आहे. पण स्वर्गात भित्रे लोक जाऊ शकत नाहीत. घाबरण्याचे काही कारण नाही. अरे दोन पैसे कमी मिळाले किंवा जास्त मिळाले त्याने काय फरक पडणार आहे? १७-१८ वर्षांपासून पहात आहे, की आता लोक पूर्वीपेक्षा श्रीमंत झालेत. पूर्वीपेक्षा त्यांची स्थिती चांगली झाली आहे. पण सकाळपासून संध्याकाळपर्यंत बेईमानी. सगळीकडे नुसती बेईमानी. आज सर्वांनी शपथ घेतली पाहिजे की, कोणीही बेईमानी करणार नाही. कोणी आढळल्यास त्याचा आम्ही विरोध करू. सहजयोगात तुम्हाला का आणले, पार केले, तर तुम्ही हा (आत्म)प्रकाश सर्वत्र पसरवा. आपण बेईमानांना मदत करतो त्यामुळे आपल्या आतला प्रकाश नष्ट होतो, तर आपण तो दुसऱ्यांना काय देणार? दोन पैसे कमी जास्त कमविण्याने काही फरक पडत नाही. पण जर तुम्ही प्रामाणिक असाल, तर प्रत्यक्ष परमेश्वर तुमच्या पाठीशी राहतो. आपल्या देशात जेवढे लोक मरतात तेवढे दुसरीकडे कोठेही मरताना दिसत नाहीत. कारण मरणारे सर्वजण नरकात जातात. तुम्ही बेईमानी केली, की तुमचे एक पाऊल नरकाकडे पडते. त्यामुळे परत खोटे बोलण्याची वाट पहावी लागत नाही.

तुम्ही सर्वांनी खरे बोलले पाहिजे. जो माणूस नेहमी खरा बोलतो तो एक वेगळा होतो. त्यात जर सहजयोग करीत असेल तर भव्य होतो. जसे आज तुम्ही सुफींची आठवण काढता तसे त्यावेळी तुमची लोक आठवण काढतील. तुम्ही काही करू नका. फक्त बेईमानांना पकडा. याची आवश्यकता आहे. इथे लोक भांडतात, की यमुनेमध्ये कचरा टाकू नका म्हणून. मी इतक्या देशात फिरले आहे पण कुठेही नदीत कचरा टाकतांना आढळत नाही. अरे तुम्ही कचरा म्युन्सिपालटीकडे द्या. त्यांना त्यासाठी कर द्या. आम्ही असे लोक पाहिलेत, की त्यांनी कधी बेईमानी केली नाही आणि बेईमान लोकांच्याकडे कधी ते जात नसत. त्यांच्याशी कोणताही संबंध ठेवत नसत. कारण ते आपल्या कल्याणाबरोबर देशाचे कल्याण करीत होते. आपण सहजयोगी आहात. फक्त शपथ घ्या, की आम्ही कधीही कसली बेईमानी करणार नाही. फक्त ओळखा आणि आपल्या आंतरात्म्याला सांगा, की हा बेईमान आहे आणि सहजयोगी आहे. तर आपण एकत्र येऊन बेईमान लोकांना उघडे पाडा. तुम्ही जरी बारा सहजयोगी एकत्र आलात, तरी खूप झाले. कारण परमात्मा या कामासाठी तुमच्या पाठीशी आहे. थोड्याफार श्रीमंत लोकांमुळे देशाचे भले होणार नाही. पण प्रामाणिक लोकांमुळे होणार आहे. पण सर्वात मोठी गोष्ट आपल्यावर कलंक हा आहे, की आपण बेईमान आहोत आणि सहजयोगी कधीही



बेईमान असत नाहीत यावर माझा विश्वास आहे. सगळी भांडणं सोडून आपण एकत्र झाले पाहिजे. आपण सर्व इमानी आहोत. आपला देश बदनाम आहे. म्हणून आजपासून कोणी बेईमानी करताना आढळले तर सर्वांनी मिळून त्याचा पाठलाग करा, त्याची झोप उडून जाईल. मला वाईट वाटते, की प्रत्येक गोष्टीमध्ये बेईमानी. अगोदर हे लहान लहान गोष्टीमध्ये आऊटकास्ट करत होते आणि आपल्याला वेगळे करत. पुर्वीपासून आपला देश इमानदार आहे. आपल्यामध्ये एवढे चांगले गुण होते, आपण का विसरलो आहोत? कुठे गेले ते? सगळीकडे मी पहाते नुसती बेईमानी. प्रत्येक पावला पावलावर बेईमानी. तुम्ही तुमच्या मुलांना शिकवले पाहिजे, की कधीही बेईमानी करायची नाही म्हणून. प्रामाणिक वागल तर परमेश्वर तुम्हाला मदत करील. नाहीतर जगातले सर्व वाईट आजार तुम्हाला जडतील. आजकाल दारू पिणे ही फॅशन झाली आहे. आपण काय वेडे बनण्याकरता इथे आला आहात. जे कोणी करतात त्यांची मैत्री सोडा त्यांना मदत करू नका. मी पाहिले आहे, की जे कोणी दारू पितात अशांच्या घरी लोक जातात आणि ते देखील दारू ढोसतात. तर अशांच्या घरी जाणे बंद करा. आपल्या देशाचे आपल्यालाच भले करावयाचे आहे. आपल्या लक्षात आले, की एखादा माणूस बेईमान आहे तर त्याच्या घरी जाणे बंद करा, त्याच्याबरोबर खाणे बंद करा. त्याच्याशी कोणत्याही प्रकारचे संबंध ठेवू नका. तुम्हाला परमेश्वराने प्रकाश दिला आहे, त्याकडे पहा. त्याची शक्ती खूप मोठी आहे. तुम्ही जरी असा विचार केला की ज्याने देशाशी गद्दारी केली त्याला परमेश्वर सोडणार नाही, तरी खूप झाले. पण तुम्ही बहिरे झालात, असा माणूस काही चांगले करत नाही. तुम्हाला काही समजत नाही. आजपासून प्रामाणिक वागण्याची प्रतिज्ञा करा, प्रामाणिक वागणाऱ्यांनाच साथ देण्याची प्रतिज्ञा करा. आपल्या देशात आणखी आत्मसाक्षात्कारी लोक जन्म घेतील. पण त्यासाठी सगळीकडे प्रामाणिकपणा हवा. तर आजचा माझा संदेश हा आहे, की आपल्या आत्मसाक्षात्काराच्या प्रकाशात त्याचा वापर करा. त्यापासून तुम्हाला शक्ती मिळेल. तुम्हाला जे काही करावेसे वाटते ते करा. पहा तुम्ही आपली स्वतंत्रता मिळविली आहे. 'स्व' ला ओळखले आहे.

माझी अशी इच्छा आहे की इथे खूप मुले जन्मावीत, पार व्हावीत. त्यासाठी सर्वप्रथम सर्वांनी शपथ घेतली पाहिजे की खोटे बोलणाऱ्यांना कधीही मदत करणार नाही! ना त्यांना घाबरणार! परमेश्वर त्यांच्या पाठीशी नसून तुमच्या बरोबर आहे याची जाणीव ठेवा. एकमेकांबरोबर भांडत बसता, ते योग्य नाही. तुम्ही कशासाठी भांडता? महामूर्ख, काय पाहिजे तुम्हाला? तुम्हाला खायला चांगले आहे, प्यायला चांगले आहे, आणखी काय पाहिजे तुम्हाला? आजकाल असे भारी कपडे पाहिजेत, मोठे घर पाहिजे अशा प्रकारचे लोक शेवटी नरकाकडेच जाणार. आता जसे सुफी झाले, आपण पण सूफीच आहात. तुम्ही सर्वजण स्वच्छ झालात. आता तुम्ही प्रामाणिकपणावर कविता करा, खोटेपणा नष्ट करा. आपला भारत आज इतका गरीब राहिला नाही, की त्याला खोटे बोलण्याची आवश्यकता वाटावी. तरुणांनी आपल्या देशाचा हा कलंक पुसण्याचा प्रयत्न करा. तुमच्याकडे प्रकाश आहे त्यामुळे तुम्हाला हिम्मत मिळेल. काहीही अशक्य नाही. यमुनेमध्ये कचरा टाकण्याच्या विषयापेक्षा महत्वाचे आहे ते म्हणजे तुमचा स्वतःच्या प्रामाणिकपणावरचा विश्वास उडणे. सत्यासाठी आज सर्वत्र दिवे लावले जातात. आज जगात सर्वात जास्त सहजयोगी भारतात आहेत. त्यानंतर रशियात आहेत. आता रशियन लोक फार प्रामाणिक वागतात. आपल्याकडे कम्युनिझम आले तर कदाचित आपणसुद्धा त्यांच्यासारखे प्रामाणिक होऊ. जबरदस्तीने करायला भाग पाडणे, ही काही फार मोठी गोष्ट नाही. आजच्या दिवशी आपण सर्वांनी निश्चय केला पाहिजे, की आजपासून आम्ही कधी वाईट वागणार नाही आणि दुसऱ्यांनादेखील वाईट वागू देणार नाही. त्यामुळे आपला देश खूपच समृद्ध होईल. ह्या वाईट लोकांमुळे आपल्या देशातील धर्म नष्ट होत चालला आहे. तेव्हा आजचा माझा संदेश म्हणजे आम्ही प्रामाणिक राहू आणि दुसऱ्यांना देखील प्रामाणिक रहावयास भाग पाडू.

इथले लोक हे करायला टाळतात, घाबरतात. आपण आत्मसाक्षात्कार मिळवला आहे तर घाबरायचे कारण काय? घाबरण्याची आवश्यकता काय? माझी तुम्हा सर्वांना विनंती आहे, की हिंमत वाढवा. 'स्व' च्या तंत्राला जाणा, त्याचा वापर करा. या दिल्लीत यापूर्वी मी कधी पाहिले नव्हते, एवढे लोक आज पहातेय. तेव्हा या वाईट वागणाऱ्या राक्षसाला नष्ट करण्याचा निश्चय करा. हिंदुस्थानातील लोक जमिनीसाठी एकमेकात भांडत बसतील. अरे आपले आहे ते 'स्वराज्य' आहे. 'स्व' चे राज्य, स्वराज्य. ज्यावेळी तुम्ही खरोखर स्वतंत्र व्हाल त्यावेळी होईल. कोणालाही घाबरण्याचे कारण नाही. कोणाला काही सांगण्याची आवश्यकता नाही. दिल्लीत यापूर्वी मी कधीच एवढे लोक पाहिले नव्हते. तर आज या शुभ दिवशी निश्चय करा, की आम्ही कधीही बेईमानी करणार नाही. आमचा प्राण गेला तरी चालेल. मागील दहा वर्षात आपला देश फार खराब झाला आहे. इतक्या संख्येने तुम्ही सहजयोगी आहात. तुम्हाला कोणाला घाबरण्याचे काय कारण? कोणत्या गोष्टीला घाबरावयाचे? सर्वांच्या पाठीशी परमेश्वर आहे. सुफींच्या लक्षात आले, की परमेश्वर त्यांच्या पाठीशी आहे. त्यामुळे त्यांनी जगातील वाईट गोष्टी घालवून टाकल्या. मला वाटते, की आजपासून तुम्ही कधी कशाप्रकारची चोरी करू नका आणि कोणाला करण्यास मदत करू नका. या देशात आजकाल जातीपातीवरून भांडणे चालू असतात. आपल्याला आपला देश वाचवायचा आहे की बुडवायचा आहे? आपल्यावर आता खूप मोठी जबाबदारी आली आहे. या कलियुगाला बदलावयाचे आहे. हजारोंमध्ये तुम्ही पार झाला आहात. इतके लोक दुनियेत कोठेही पार झालेले नाहीत. म्हणून मी सारखे सारखे हेच म्हणते, की तुम्ही खरेपणाच्या पाठीशी रहा. मी स्वतः तुमच्या पाठीशी आहे. परमेश्वर तुमच्या पाठीशी आहे. आज हा निश्चय करा, की आम्ही कसलीच चोरी चालू देणार नाही, जिथे माहीत होईल, तिथे आम्ही भांडू. (आत्मसाक्षात्काराच्या) प्रकाशाचा वापर करा. हिंमत धरा. हिंमतीने काम करा. या देशातील ज्या वाईट गोष्टी आढळतील त्या नष्ट करा. प्रामाणिकपणा तुमच्यात नसेल, तर तुम्हाला परमेश्वर मदत करणार नाही. पैसे मिळवणे हे काम परमेश्वर मिळवणे नसून, धर्माने वागणे म्हणजे परमेश्वराला प्राप्त करणे आहे. एवढ्या संख्येने सहजयोगी दुनियेत कुठेही नाहीत. सहजयोगी कधी वाईट काम करीत नाहीत. मी यासाठी सांगते की इथले वातावरण खराब आहे. फार बदनाम झालेत लोक. आपल्याकडे सर्वकाही आहे. खायला, प्यायला कपडेलते, सिनेमा पहा, पैसा आहे. पण पैसा कमवण्याचे व्यसन प्रथम गेले पाहिजे.

मला खात्री आहे, की मी आज आपल्याला सांगितलेल्या गोष्टी तुम्ही लक्षात ठेवाल आणि आजपासून सर्वजण शपथ घ्या, की आजपासून आम्ही बेईमानी करणार नाही आणि बेईमानी करणाऱ्यांना विरोध करू. आपल्या देशाला आज सर्वात जास्त इमानदारीने वागणाऱ्यांची आवश्यकता आहे. त्यापेक्षा कोणतीही मोठी गोष्ट नाही. आपल्या आईमध्ये प्रामाणिकपणा आहे. दहा शर्ट ऐवजी एक घेतला तर त्यामुळे काय बिघडणार आहे? हे बायकांनादेखील सांगा.

आजचे भाषण वेगळे आहे, निराळे आहे. तुम्हा सर्वांना आवडले हे फार चांगले झाले. सर्वांना धन्यवाद.